जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 290 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 22 अगस्त, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बाड़मेर के बहुतप्रतिष्ठित नेता मेवाराम को कांग्रेस में पुनः ''एन्ट्री'' दिलाने के एक सूत्री अभियान में लगे गहलोत

मेवाराम के खिलाफ ''रेप'' व पॉक्सो के केस दर्ज हैं, तथा उनकी इन गतिविधियों के बारे में दो विडियो भी वायरल हुए थे, और बदनामी ही, मेवाराम के पार्टी से निष्कासन का कारण बनी थी

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 अगस्त। अमीन खान की कांग्रेस में वापसी के बाद, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अब मेवा राम जैन को भी कांग्रेस पार्टी में वापस लाने के लिए पूरी तरह जुट गए हैं।

मेवा राम जैन पर रेप और पॉक्सो एक्ट के केस दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, उनके खिलाफ दो वीडियो भी वायरल हुए थे, जिसके चलते पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। गहलोत अपने करीबी माने जाने वाले जैन को वापस लाने की कोशिश लगातार कर रहे हैं।

ऐसा माना जाता है कि इस काम में उनकी मदद कर रहे हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा और राजस्थान के एआईसीसी प्रभारी रंधावा। बताया जाता है कि डोटासरा ने कल रात अचानक दिल्ली का दौरा किया और आज सुबह उन्होंने रंधावा से उनके दिल्ली स्थित घर पर मुलाकात की।

- ऐसा माना जाता है कि गहलोत के अभियान में डोटासरा व राजस्थान में पार्टी के प्रभारी रंधावा भी पूरी मदद कर रहे हैं।
- बुधवार की रात को डोटासरा ने दिल्ली की यात्रा की व रंधावा के घर पर उनसे मंत्रणा की। कहा यह जा रहा है कि मंत्रणा व मंथन का विषय था, ''वोट चोरी'' पर कांग्रेस की आयोजित होने वाली रैली। पर मेवाराम की घर वापसी की योजना भी मंथन का महत्वपूर्ण अंग थी।
- हालांकि, अभी दिल्ली, गहलोत के प्रयासों पर ध्यान नहीं दे रही है, पर वे नेतागण, जो गहलोत सरकार के ''लाभार्थी'' थे, अभी भी कोशिश में हैं, कि किसी भी तरह उनका नेता गहलोत कुछ महत्वपूर्ण पद पाये ए.आई.सी.सी. में।

दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार यह चर्चा राजस्थान में 7 सितंबर से पहले होने वाली ''वोट चोरी रैली'' के बारे में थी। लेकिन, यही एकमात्र मुद्दा नहीं था।

सूत्रों का कहना है कि मेवा राम जैन की वापसी का मुद्दा भी एजेंडे में शामिल था। हरिश चौधरी के कड़े विरोध के बावजूद (क्योंकि दोनों बाड़मेर से हैं), रंधावा भी जैन की वापसी में मदद कर रहे हैं।

पार्टी सूत्रों का मानना है कि जब एआईसीसी का राज्य प्रभारी (इस मामले में रंधावा) किसी खास गुट (अशोक गहलोत) का हिस्सा बन जाता है, तो पार्टी का नुकसान होता है और गुटबाज़ी बढ़ती है।

दिल्ली से गहलोत को फिलहाल कोई जवाब नहीं मिल रहा है, लेकिन साफ है कि राजस्थान के कई नेता अब भी गहलोत के प्रति वफादार हैं, क्योंकि उनमें से कई उनके शासनकाल के दौरान बड़े लाभार्थी रहे हैं।

सतीश गोलचा दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर बने

नयी दिल्ली, 21 अगस्त। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सतीश गोलचा को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है।

गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर कहा कि सक्षम

- गोलचा ने एसबी सिंह का स्थान लिया है। वे 1992 बैंच के आईपीएस हैं।

अधिकारी की मंजूरी से गोलचा को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी होगी। गोलचा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुदर्शन रेड्डी ने नामांकन भरा

नयी दिल्ली, 21 अगस्त। उप राष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को यहां गठबंधन के बड़े नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल

- पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हैं।

किया। रेड्डी सुबह संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद राज्यसभा सचिवालय में महासचिव पी सी मोदी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध पर अपनी ''भाषण बाजी'' बदली

इसका प्रमुख कारण है, रूस-अमेरिका की अलास्का में हुई मुलाकात के बाद भी रूस ने प्रस्तावित शांति प्रस्ताव पर कोई ठोस सहमति नहीं दिखाई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प का यूक्रेन-रूस युद्ध पर रुख बदलता हुआ नज़र आ रहा है। अब उनकी भी यही राय बनने लगी है कि वास्तव में रुस शांति समझौता करने का इच्छुक नहीं है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि यूक्रेन को घुसपैठ का जवाब देने में पिछली अमेरिकी सरकार की नीतियों ने बांधकर रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की रक्षा टीम मजबूत है, लेकिन उसे आक्रामक कदम उठाने की इजाज़त नहीं दी गई है। इस तरह जीत पाना मुश्किल हो जाता है, भले ही असंभव न हो। उनके बयान से लगता है कि वे रूस के बढ़ते हमलों के खिलाफ यूक्रेन द्वारा बड़े पैमाने पर जवाबी आक्रमण किए जाने का समर्थन कर रहे हैं। अलास्का शिखर बैठक के बाद रूस ने यूक्रेन पर और भी तेज़ हमले किए, लेकिन बैठक में रूस की ओर से किसी शांति समझौते की ठोस प्रतिबद्धता नहीं दिखी। ट्रम्प इस बात से निराश हैं कि उनके शांति प्रयासों को रूस ने नकार दिया। पुतिन ने ट्रम्प के त्रिपक्षीय बैठक (पुतिन, ज़ेलेंस्की और ट्रम्प) के प्रस्ताव का कोई जवाब नहीं दिया।

इसके बजाय रूस ने भविष्य की वार्ताओं के लिए और ज्यादा उच्च स्तर के प्रतिनिधित्व की बात कही, जिसे सीधा पुतिन-ज़ेलेंस्की वार्ता को ठुकराने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका ने यूक्रेन की सेना की काफी तारीफ की, तथा अमेरिका ने जेलैंस्की की प्रशंसा करते हुए कहा, अमेरिका ने (बाइडन प्रशासन ने) जेलैंस्की के हाथ बांध रखे थे, जिसके कारण यूक्रेन रूस के भीतरी इलाकों पर बम की वर्षा करने से रूका हुआ था।
- रूस ने यूक्रेन से बातचीत का स्तर ऊँचा ऊठाने के बारे में कहा, कूटनीतिक भाषा में इसे शांति वार्ता को स्वीकार न करने का बहाना माना जाता है।
- अमेरिका द्वारा यूक्रेन के योद्धाओं की युद्ध में भूमिका की सराहना करने को भी, रूस के प्रति रवैया बदलने का संकेत माना जाता है।
- पुतिन भी अपने जाल में खुद ही फंसते नज़र आ रहे हैं, क्योंकि सभी यूरोपियन देशों के संगठित होकर यूक्रेन के समर्थन में खड़े होने से पुतिन के पूरे यूक्रेन का अधिग्रहण करने के इरादों पर कुछ पानी सा फिर गया है।

लोकसभा का मानसून सत्र भारी हंगामे के बीच समाप्त

स्पीकर ओम बिड़ला ने निराशा जताते हुए कहा, 120 घंटे बहस होनी चाहिए पर 37 घंटे ही हो सकी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नयी दिल्ली, 21 अगस्त। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने गुरुवार दोपहर 12:12 बजे लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। उन्होंने पूरे मानसून सत्र में विपक्ष द्वारा लगातार किए गए हंगामे की कड़ी आलोचना की।

अध्यक्ष के अंतिम वक्तव्य के दौरान भी विपक्ष ने उन्हें नहीं बख्शा और हंगामा जारी रखा। उन्होंने कहा कि सत्र में 120 घंटे चर्चा होनी थी लेकिन मुश्किल से 37 घंटे ही बहस हो सकी।

हालांकि दोनों सदनों में हंगामे और बहिर्गमन के बीच 15 विधेयक पारित किये गये। लोकसभा में पेश किये गये 14 विधेयकों में से 12 को सदन की मंजूरी मिल गयी जबकि उच्च सदन में 15 विधेयक पारित किये गये। किसी भी गंभीर आपराधिक मामले में प्रधानमंत्री , मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों की गिरफ्तारी और तीस दिन की हिरासत की स्थिति में उन्हें पदमुक्त समझे जाने के प्रावधान वाले संविधान संशोधन विधेयक और उससे जुड़े दो अन्य विधेयकों को लोकसभा ने समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया।

- मानसून सत्र में पहले ही दिन से भारी हंगामा शुरू हो गया था, मतदाता सूची पुनरीक्षण व आपरेशन सिंदूर पर विपक्ष लगातार विरोध प्रदर्शन करता रहा। इस हंगामे के बीच 15 विधेयक पारित किए गए।

सत्र की पूरी अवधि के दौरान एकजुट विपक्ष ने सरकार को बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में गड़बड़ी तथा उसे वापस लेने की मांग को लेकर जोरदार तरीके से घेरा और इस पर चर्चा कराने की मांग को लेकर दोनों सदनों में कार्यवाही में निरंतर व्यवधान डाला। विपक्ष ने सत्र के पहले दिन से ही ऑपरेशन सिंदूर और मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग शुरू कर दी थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी रहने पर सरकार ने हंगामे के बीच ही विधेयक पारित कराने की रणनीति अपनायी।

राज्यसभा को भी उपसभापति हर्षवर्धन ने पूर्वाह्न सत्र में दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दिया। राज्यसभा में सदस्यों को 285 प्रश्न, 285 शून्यकाल विषय और 285 विशेष उल्लेख उठाने का अवसर था लेकिन केवल 14 प्रश्न, 7 शून्यकाल विषय और 61 विशेष उल्लेख ही वास्तव में लिए जा सके।

एसआई पेपर लीक में जयपुर ग्रामीण की महिला कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर, 21 अगस्त। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए जयपुर ग्रामीण की स्पेशल ब्रांच में तैनात महिला कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला कांस्टेबल ने लीक पेपर पढ़ कर लिखित

- उसने लीक पेपर पढ़कर लिखित परीक्षा पास की थी पर इन्टरव्यू में फेल हो गई थी। उसकी बहन और एक चयनित एसआई पहले गिरफ्तार हो चुके हैं।

परीक्षा पास की थी, लेकिन इंटरव्यू में फेल होने से सलेक्ट नहीं हो सकी थी। महिला कांस्टेबल की मदद करने से लीक हुआ पेपर पढ़ कर एग्ज़ाम देने से परिचित का एसआई के पद पर सलेक्शन हुआ था। एडीजी (एटीएस व एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'संविधान निर्माता जानते थे कुछ कार्यों में टाइम लाइन जरूरी है और कुछ में नहीं'

'इसीलिए संविधान निर्माताओं ने 31 जगहों पर टाइम लाइन का उल्लेख किया है, जहां टाइम लाइन का उल्लेख नहीं है, तो वह जानबूझकर उठाया गया कदम है'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21अगस्त। अगर कुछ राज्यपाल विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को लंबित रख रहे हैं, तो इसका हल राजनीतिक रूप से तलाशना चाहिए, न कि न्यायिक तरीके से - ऐसा भारत के सॉलिसिटर जनरल ने राष्ट्रपति के संदर्भ मामले की सुनवाई के तीसरे दिन सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा, जो विधेयकों को स्वीकृति देने से संबंधित है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिंह और न्यायमूर्ति ए.एस. चंदूरकर की संविधान बैंच के समक्ष कहा कि हर समस्या का हल अदालत नहीं हो सकती।

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सुप्रीम कोर्ट गवर्नर्स के लिए विधेयकों पर फैसला लेने की समय सीमा तय नहीं कर सकता। ''गवर्नर एक संवैधानिक पद है। इस मसले का राजनैतिक हल निकाला जा सकता है। यह सुप्रीम कोर्ट का विषय नहीं है।''
- सॉलिसिटर जनरल ने इस मसले पर प्रति प्रश्न किया, क्या संसद ऐसा कानून बना सकती है कि अगर किसी अपराधी का निर्धारित समय में ट्रायल पूरा नहीं हुआ तो उसे बरी माना जाए? या फिर संसद यह कानून बना दे कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला 600 पेज से बड़ा नहीं होना चाहिए।

बैंच द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए मेहता ने कहा, व्यावहारिक उत्तर ये है कि अगर कोई राज्यपाल विधेयकों को लटकाए हुए है, तो इसका राजनीतिक समाधान मौजूद है। ऐसा हो भी रहा है, और हर जगह ऐसा नहीं है कि राज्य को तुरंत सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े। मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मिलते हैं, राष्ट्रपति से मिलते हैं, प्रतिनिधिमंडल जाता है और कहता है कि ये विधेयक लंबित हैं, कृपया राज्यपाल से बात कीजिए। कई बार फोन पर बात करके हल निकाला जाता है। मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राज्यपाल की संयुक्त बैठक होती है और गतिरोध समाप्त होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अदालत उस पर समय-सीमा तय कर दे। सवाल यह है कि जब संविधान में कोई समयसीमा नहीं है, तब क्या अदालत उसे तय कर सकती है, चाहे उसका कोई औचित्य क्यों न हो? ऐसे मुद्दे कई दशकों से राज्य दर राज्य उठते रहे हैं। लेकिन जब राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व सामने आता है, तो संवैधानिक पदों पर आसीन लोग मिलते हैं, चर्चा करते हैं और राजनीतिक समाधान निकालते हैं। यही इस समस्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने प्र.मंत्री मोदी को फोन किया

नयी दिल्ली, 21 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से टेलीफ़ोन पर बातचीत के दौरान यूक्रेन और पश्चिम एशिया क्षेत्र में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मैक्रों ने मोदी को टेलीफोन किया था।

बातचीत के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों ने

- मैक्रों ने मोदी के साथ यूक्रेन और पश्चिम एशिया क्षेत्र में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान पर चर्चा की।

हाल ही में वाशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हुई बैठकों के बारे में प्रधानमंत्री के साथ अपने विचार साझा किए। उन्होंने गाजा की स्थिति पर भी बातचीत की।

दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने और वर्ष 2026 को 'नवाचार वर्ष' के रूप में मनाने की संयुक्त प्रतिबद्धता की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयशंकर ने मॉस्को में रूस को भारत की 4 ट्रिलियन इकॉनमी, जो 7 प्रतिशत ग्रोथ रेट से बढ़ रही है, का आकर्षण जताया

विदेश मंत्री जयशंकर के अनुसार, भारत में फर्टिलाइजर कैमिकल्स व मशीनरी का भारी मार्केट है, जिसे भरोसेमंद सप्लायर की जरूरत है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अगस्त। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के हाल के मॉस्को में दिए गए बयान भारत की विदेश नीति में आ रहे एक गहरे बदलाव की ओर इशारा करते हैं। मॉस्को में एक बिज़नेस फोरम में बोलते हुए जयशंकर ने रूसी कंपनियों को भारत में और सक्रिय होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत की 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत से ज्यादा की दर से बढ़ रही है और भारत को खाद, रसायन और मशीनरी की भरोसेमंद आपूर्ति चाहिए, जिन क्षेत्रों में रूस एक मज़बूत साझेदार है।

ऊपरी तौर पर यह जयशंकर की तीन दिन की रूस यात्रा का सामान्य राजनयिक हिस्सा था, जिसका उद्देश्य इस साल के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की संभावित भारत यात्रा के लिए जमीन तैयार करना था। लेकिन असल संदेश यह था कि जैसे-जैसे अमेरिका भारत पर शुल्क और जुर्माने बढ़ा रहा है, भारत अपना रुख पूर्व की ओर, रूस और अप्रत्यक्ष रूप से चीन की ओर, कर रहा है।

जयशंकर ने रूस को आजमाया हुआ साथी बताया और कहा कि भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिकीकरण और शहरीकरण विदेशी कंपनियों के लिए बड़े अवसर खोलता है। उन्होंने कहा, ''इनमें से हर पहलू रुसी कंपनियों के लिए साझेदारों के साथ और गहराई से जुड़ने को निमंत्रण है।'' जयशंकर की यह अपील रुस को भरोसा दिलाने और अमेरिका को चेतावनी देने, दोनों का संकेत थी, कि दंडात्मक आर्थिक कदम भारत को वैकल्पिक नेटवर्क की तरफ और ज्यादा धकेल देंगे।

इस पृष्ठभूमि में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भारतीय सामान पर शुल्क 50 प्रतिशत तक दोगुना कर दिया है और साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदते रहने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया है। वॉशिंगटन का कहना है कि ये कदम भारत को रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के साथ जोड़ने के लिए हैं। लेकिन असर उलटा हुआ।

- रूस को भी, भारत से यह व्यापारिक रिश्ता बहुत भा रहा है, क्योंकि भारत में विशाल ''कंज़्यूमर बेस'' है, तथा एनर्जी की मांग निरन्तर बढ़ रही है, तथा भारत ''नॉन डॉलर'' मुद्रा में व्यापारिक लेन-देन करने को तैयार व तत्पर है, और इससे पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाये गये व्यापारिक प्रतिबंध अपने आप ढीले पड़ जाते हैं।
- भारत को अभी भी चीन से गले मिलने के बारे में कुछ ''आपत्तियां'' हैं, पर रूस के बीच में आने से यह आपत्तियां भी कुछ नरम पड़ सकती हैं।
- अतः जयशंकर का रूस को भारत में ''इन्वैस्टमैंट'' और बढ़ाने का सुझाव, अभी तो तीनों देशों, रूस, चीन व भारत, के लिए ''विन-विन'' स्थिति है।

भारत और रूस दोनों ने इन जुर्मानों को ''छोटी सोच'' और ''रुकावट डालने वाला'' बताया।

भारत के लिए ये टैरिफ सिर्फ आर्थिक परेशानी नहीं हैं, बल्कि भरोसे में दरार है। भारत अब तक अमेरिका और रूस के बीच संतुलन बनाए रखता आया है, लेकिन अमेरिका की आक्रामक नीति ने यह संतुलन बिगाड़ दिया है। अब भारतीय नीति-निर्माता रूस को सिर्फ ऊर्जा और रक्षा सप्लायर नहीं, बल्कि एक बड़े यूरेशियाई गठजोड़, जिसमें चीन भी शामिल है, को जोड़ने वाले पुल के रुप में देख रहा है।

भारत का चीन से सीधा गठबंधन करने का ज्यादा मन नहीं है, क्योंकि, दोनों के बीच सीमा विवाद और रणनीतिक टकराव है। लेकिन अमेरिका की हरकतों के कारण भारत के लिए विकल्प कम होते जा रहे हैं। भारत को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए सस्ती ऊर्जा, खाद और तकनीक चाहिए। अगर अमेरिका इनपर रोक लगाता है तो भारत विकल्प खोजेगा, और ये अधिकतर विकल्प रूस और चीन में मिल सकते हैं।

जयशंकर द्वारा रूसी कंपनियों को भारत में निवेश बढ़ाने का आ ान, दरअसल आर्थिक निर्भरता में विविधता लाने का संदेश है। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि ऊर्जा, उद्योग और इन्फ्रास्ट्रक्चर में चीन और रूस दोनों की मौजूदगी भारत में बढ़े। हालांकि, भारत चीनी प्रभाव से सतर्क है, लेकिन रूस और चीन की अर्थव्यवस्थाओं से जुड़ाव के कारण भारत के लिए इन दोनों देशों से दूरी बनाए रखना कठिन हो जाता है।

रूस के लिए भारत की यह पहल बेहद महत्वपूर्ण है। पश्चिमी प्रतिबंधों से घिरे रूस को बड़े और स्थायी बाज़ार की ज़रूरत है। भारत के पास बड़ी आबादी, ऊर्जा की बढ़ती मांग और डॉलर के बजाय अन्य मुद्राओं में लेन-देन की सुविधा है। भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाकर रूस न केवल पश्चिमी दबाव का असर कम करेगा बल्कि एशिया के शक्ति-समीकरण में अपना रोल और मजबूत करेगा।

इस स्थिति का सबसे बड़ा लाभ चीन को हो सकता है। रूस पहले ही चीन का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और आर्थिक सहारा बन चुका है। अगर भारत-रूस व्यापार बढ़ा, तो उसका बड़ा हिस्सा चीनी नेटवर्क से होकर गुजरेगा। नतीजा यह होगा कि अमेरिका की रूस को अलग-थलग करने की कोशिशें यूरेशियाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है। -सरदार पटेल

वोट देने का महत्व और उसका अधिकार

बिहार में वोटर लिस्ट की विशेष गहन समीक्षा का कार्य जिसे SIR (एसआईआर) द्वारा सम्बोधित किया जाता है, चल रहा है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग सत्ता पक्ष को लाभान्वित करने के हेतु मिली-भगत कर मतदाता सूची में गडबडी कर रहा है। मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, उन्हें मृतक बताया जा रहा है आदि। इस कार्य को विपक्ष वोटों की चोरी कह रहा है और एक व्यक्ति एक वोट के नारे लगा रहा है और शालीनता की मर्यादा को लांघ कर उग्र आन्दोलन द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित कर रहा है। जबकि SIR (एसआईआर) मतदाता सूची की शुद्धता की ओर बढ़ाया गया कदम है। प्रश्न है लोकतंत्र में विपक्ष का यह आंदोलन जहां संसद को काम नहीं करने दिया जावे और वहां हंगामा हो सड़कों पर हंगामा और अब यह आंदोलन संविधान बचाओ यात्रा में बदल गया है। 'चुनाव आयोग चोर है', जैसे शब्द शालीनता व सभ्यता की सीमा को तो लांघते ही हैं अपितु भडकाऊ होने से अराजकता और अशान्ति फैलाते हैं और देश की अखण्डता के लिये भी घातक है। राहुल इस आन्दोलन में प्रमुख प्रवक्ता हैं और तेजस्वी भी अपनी तेजस्वी बोली में कह रहे हैं 'भाजपा वोट चोरी नहीं, आयोग के साथ मिलकर डकैती करने लगी है।' विपक्ष का आरोप है कि भाजपा संविधान मिटाने की कोशिश में है और उनकी लडाई संविधान बचाने की है। आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेन्स में स्पष्ट किया कि कोई व्यक्ति किसी निर्वाचन क्षेत्र में वोटर नहीं है तो शिकायत करना चाहता है तो वह शपथ पत्र द्वारा ही ऐसा कर सकता है।

प्रश्न है वोटर कौन हो सकता है, वोट देने का अधिकार किसे प्राप्त है और अधिकार का उद्गम कहां है? संविधान के अनुच्छेद 326 में स्पष्ट प्रावधान है कि लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के लिये निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होगा अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जो किसी विधि के अधीन अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के कारण अन्यथा निरर्हित नहीं कर दिया गया है, ऐसे किसी निर्वाचन में मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का अधिकारी होगा। संविधान का संदेश स्पष्ट है कि मतदाता देश का नागरिक होना चाहिये और उसका नाम इसी आधार पर मतदाता सूची में होना चाहिये।

अनुच्छेद 327 इसे और भी अधिक स्पष्ट करता है कि संविधान के उपबंधों के अधीन ही निर्वाचक नामावली तैयार की जावेगी। अनुच्छेद 328 में और अधिक स्पष्टता दिखाई देती है जहां वह निर्देश देता है कि संसद ऐसे मामलों में जो कानून बनायेगा वह भी उपरोक्त प्रावधानों के अनुरूप ही होगा तथा ऐसा कानून जो अनुच्छेद 327 व 328 के तहत बनेगा उसकी वैधता को देश के न्यायालय में व चुनाव नामावली के विषय को चुनौती भी नहीं दी जावेगी। इन सब उपबन्धों को पढेंगे तो एक ही आवाज उठती सुनी जावेगी कि मतदाता सूची केवल नागरिकों के मतदान के हेतु बनाई जावेगा। किसी अवैध प्रवासी (Migrant) को नामावली में शामिल नहीं किया जावेगा।

मतावली शुद्धिकरण के काम में लगे अधिकारियों के समक्ष यह आपत्ति उठाई गई कि तथाकथित कुछ व्यक्तियों ने अपना नामत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के तथा अन्य अभिप्राय से अवैध राशनकार्ड तथा आधार कार्ड बनाये हैं। आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण का सबूत किसी भी न्यायालय ने नहीं माना है, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने केवल इतना ही आदेश में कहा है कि अन्य 11 डोक्यूमेन्ट्स के साथ मतदाता द्वारा पेश किये गये आधार कार्ड को भी इस हेतु देखा जावे, यह नहीं कहा कि नागरिकता के सबूत के रूप में इसे मान्यता दी जावे।

बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के प्रश्न पर जब भी विचार करेंगे तो मूल महत्वपूर्ण विषय होगा यह तो देश नागरिकों के संवैधानिक अधिकार का प्रश्न है। सुप्रीम कोर्ट को अनुच्छेद 32 के तहत रिट् जारी करने व निर्देश आदि देने की जो शक्ति दी गई है उसका प्रयोग सुप्रीम कोर्ट जब करती है तब संविधान के भाग 3 में दिये गये मूल अधिकारों का हनन हो रहा हो और उन्हें प्रवर्तित किया जाना आवश्यक हो यानी रिट् याचिका भाग 3 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार है। किन्तु वोट देने का अधिकार तो भाग तीन में दिये गये मूल अधिकारों का नहीं है। यह अधिकार निश्चित रूप से संवैधानिक अधिकार है, भाग तीन का मूल अधिकार नहीं है। अनुच्छेद 19 स्वातंत्र का विषय है। अनुच्छेद 19(ई) का अधिकार, भारत के राज्य क्षेत्र के किसी भाग में निवास करने और बस जाने का माना जावे तो यह अधिकार निश्चित रूप से नागरिकता का है, क्योंकि अनुच्छेद 19(1) स्वयं यह घोषणा करता है कि यह अधिकार नागरिकों को प्राप्त है। अनुच्छेद 32 की याचिका किसी भी नागरिक के अधिकारों को प्रवर्तित कराने की उपचार के रूप में पेश नहीं है।

एक व्यक्ति एक वोट व वोटों की चोरी के आरोपों ने देश का वातावरण बिगाड दिया है। कभी भी देश में कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। विपक्ष से नम्र निवेदन है, ''हम उस देश के वासी हैं जहां गंगा बहती है'' दूसरों पर अपशब्द बोलकर गम्भीर घाव नहीं करें। देश की एकता और अखण्ड़ता रखना आपका संवैधानिक कर्त्तव्य है। सोचो, विचारो आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? देश हम सबका है।

पाठक स्वंय विचार करें नागरिकता का विषय कितना महत्वपूर्ण है।

यदि यह विषय मूल अधिकारों के संरक्षण का है तो याचिकाकर्ता के स्वंय के मूल अधिकारों के हनन का नहीं है। सभी याचिकायें पीआईएल के रूप में दर्ज रजिस्टर की गई है जिनमें विवादास्पद मुद्दों को उठाया गया है। माननीय न्यायालय सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर अभी तक अन्तिम निर्णय नहीं दिया है। चुनाव आयोग ने अन्तरिक आदेश की अनुपालना में काटे गये मतदाताओं की सूची अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी है। चूंकि अन्तिम निर्णय नहीं हुआ है अतः याचिकाओं पर की गई आपत्तियों पर समीक्षा नहीं करना उचित प्रक्रिया है। हमें निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिये।

लेख का विषय सीमित है। नागरिक का मतदान का अधिकार और अधिकार का महत्व। भारतीय संविधान के भाग तीन के अधिकांश मूल अधिकार केवल भारत के नागरिक को ही प्राप्त हैं। नागरिकों को ही वोट देने का संवैधानिक अधिकार है। सभी संवैधानिक पदों का अधिकारी चाहे वह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्राइम मिनिस्टर, मंत्री, मुख्यमंत्री, न्यायाधीश, चुनाव आयोग, सांसद, विधायक आदि कोई भी हो तो केवल नागरिक ही धारण कर सकता है। बिहार की मतदाता सूची में बाग्लादेश, म्यांमार के अवैध प्रवासी बिना अधिकार के देश के राज्यों में फैले हुये हैं और उन्होंने अवैध रूप से आधार कार्ड व राशनकार्ड प्राप्त किये हैं। मतदाता सूची के दूषित होने का प्रधान कारण यही है।

निर्वाचन सम्बन्धित विषयों पर चुनाव आयोग को अधीक्षण, निदेशन व नियंत्रण के सम्पूर्ण अधिकार हैं और प्रक्रिया के लिये संसद का जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 है। व्यवस्था है कि चुनावों में होने वाली अनियमितता और अवैधता को चुनाव के रिजल्ट आने के बाद जीतने वाले व्यक्ति के विरूद्ध चुनाव याचिका हाईकोर्ट के समक्ष अवधि मध्य पेश कर चुनौती दी जा सकती है; किन्तु महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार के चुनावों में किसी भी राजनीतिक पार्टी अथवा उम्मीदवार ने ऐसी याचिकायें पेश नहीं की हैं। इसका अभिप्राय है वे चुनाव के रिजल्ट से सन्तुष्ट है। अब जब बिहार में मतदाता सूची की शुद्ध करने की प्रक्रिया चल रही है तो वहां के चुनावों में धांधली कर जीतने की बात विपक्ष कर रहा है, वे भूल जाते हैं कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार जो जीते हैं चाहे सांसद बने अथवा विधायक, वे भी उसी मतदाता सूची के आधार पर चुनाव लड़े हैं और जीते हैं। फिर कैसी चुनौती। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिनके नाम काटे गये हैं वे काटे जाने के विरोध में समक्ष अधिकारी के समक्ष आवेदन समयावधि में पेश करें। किसी ने अभी तक सम्भवतया प्रतिवेदन पेश नहीं किया गया है। बिहार में 65 लाख वोटर्स के नाम काटे जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5.8.2025 के अन्तिम आदेश की अनुपालना में उनके विवरण प्रस्तुत किये जा चुके हैं, अभी भी वे लोग अपने अधिकार के लिये अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। संविधान का अनुच्छेद 51क घोषित करता है भारत का नागरिक संवैधानिक संस्थाओं का आदर करेंगे। विपक्ष संविधान की पुस्तक लेकर आयोग पर मतों की चोरी करने का आरोप लगा रहे हैं। अब वे मुख्य चुनाव अधिकारी पर महाअभियोग चलाने की बात कर रहे हैं। इसकी प्रक्रिया वैसी है, जो सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने की की जाती है। वर्तमान परिस्थितियों में इसकी सफलता दिखाई नहीं देती।

एक व्यक्ति एक वोट व वोटों की चोरी के आरोपों ने देश का वातावरण बिगाड दिया है। कभी भी देश में कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। विपक्ष से नम्र निवेदन है, ''हम उस देश के वासी हैं जहां गंगा बहती है'' दूसरों पर अपशब्द बोलकर गम्भीर घाव नहीं करें। देश की एकता और अखण्डता रखना आपका संवैधानिक कर्त्तव्य है। सोचो, विचारो आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? देश हम सबका है। देश के नागरिक की गरिमा बनाये रखना संविधान के प्रियम्बल से सीखें।

संवैधानिक संस्था को चोर व डकैत कहना और सड़कों पर नारों व पोस्टर्स से चोर प्रस्तुत करना प्रत्यक्ष मानहानि कारक हो सकता है, जो एक अपराध है। यों भी बिहार में SIR (एसआईआर) को चुनौती देने वाले कई तथाकथित मतदाता हैं जिन्होंने संभवतः चुनाव सम्बन्धित अपराध किये हैं, इन्हें यदि फौजदारी केस में 2 वर्ष या उससे अधिक की सजा होती है तो उन्हें विधानसभा अथवा संसद की सदस्या ने डिस्क्वालिफाई किया जा सकता है। कृपया संविधान के अनुच्छेद 102/अनुच्छेद 191 तथा अनुच्छेद 90/190 को पढ़े। ध्यान रहे, डिस्क्वालिफिकेशन (निरर्हता) की घोषणा मात्र से सदस्यता का पद स्वतः रिक्त हो जाता है। कृपया इस सम्बन्ध में लिली थॉमस बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, 10 जुलाई 2013 के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का अध्ययन अवश्य करें।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सामाजिक सरोकार और परिवारों का मिलन

कहां से चले हम! और कहां पहुंच गए? अंत क्या होगा पता नहीं!

सुनील दत्त गोयल

जीवन में अपने से जुड़े लोगों से मिलते-जुलते समय हमारा दिखावा करना या अत्याधिक अपने आप के व्यवहार में सम्पन्नता दिखाना - यह सब कुछ समय के लिए आपको धनी व सुखी इंसान होने का संकेत तो दे सकता है, लेकिन समय के साथ वास्तविकता को हम छुपा नहीं सकते। हम अपने आप को दिखावा और ढोंग के माध्यम से मानसिक तनाव के रूप में परेशानी महसूस करने लग जाते हैं।

दिखावे व बराबरी की होड़ हमें आर्थिक रूप से कमजोर ही बनाती है क्योंकि बराबरी करने के लिए हमें अपनी हैसियत व कमाई से अधिक खर्च करना पड़ता है। इससे हम कर्ज का बोझ अपने कंधों पर बेवजह उठाते हुए अपने जीवन को दुखी कर लेते हैं। जीवन में कभी भी औरों से अधिक धनवान दिखाने में सिवाय नुकसान के कुछ भी प्राप्त नहीं होता। अगर अपने को सुखी रखना है तो जो पास है उसमें संतोष व आनंद लेना चाहिए और यह भूल जाना चाहिए कि लोग क्या सोचेंगे।

क्योंकि अंत में व्यवस्था स्वयं की ही काम आती है। दिखावे से प्रभावित रिश्ते जीवन में कभी साथ नहीं देते। हमारे सांसारिक जीवन में मेल-जोल का अवसर शादी-विवाह, सम्मेलन, घर में कुआं पूजन, पुत्र उत्सव या पुत्री उत्सव जैसे कार्यक्रमों में हुआ करता था। उन्हीं अवसरों पर सारे रिश्तेदार-नातेदारों से मुलाकात होती थी। लेकिन आजकल वह परंपरा भी खत्म होती जा रही है। अब तो वहां भी चर्चा होती है कि कौन कितनी महंगी कार से आया है, कितने महंगे कपड़े पहन रखे हैं, कौन-सा मोबाइल फोन हाथ में है, कौन-सी परफ्यूम लगाई है, बच्चे किस बड़े स्कूल या कॉलेज में पढ़ रहे हैं, कौन देश में है या विदेश में, कितना पैकेज ले रहा है।

हम यह भूल गए कि पहले तीन-चार भाई या पांच भाई परिवारों में रहते थे और जब इकट्ठे होते थे तो भाई-बंधु और परिवार के सदस्य साथ आते थे। चाचा-मामा और रिश्तेदारों के बीच अपनापन झलकता था। मुलाकातें दिल से होती थीं, न कि अपनी कमाई का दिखावा करने के लिए।

आजकल की शादियों का बदलता स्वरूप : पहले शादियां मोहल्ले या धर्मशाला में होती थीं। मेहमान आसपास के घरों में ठहरते थे। सब साथ बैठकर पत्तल-दोने में भोजन करते थे। गद्दे-रजाई बिछा दिए जाते थे और साधारण व्यवस्था में भी अपनापन झलकता था। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। आजकल शादियां महंगे रिसॉर्ट्स और डेस्टिनेशन वेडिंग्स में होने लगी हैं। शादी से दो दिन पहले ही पूरा परिवार रिसॉर्ट में शिफ्ट हो जाता है और मेहमान सीधे वहीं पहुंचते हैं। जिसके पास चारपहिया वाहन है वही वहां तक पहुंच सकता है, दोपहिया वालों के लिए यह संभव नहीं।

अब निमंत्रण भी वर्गानुसार बंट गए हैं -किसी को केवल लेडीज़ संगीत में बुलाना, किसी को सिर्फ रिसेप्शन में, किसी को कॉकटेल पार्टी में और परिवार को सभी कार्यक्रमों में। इस निमंत्रण में अपनापन की भावना खत्म हो चुकी है। सिर्फ मतलब के व्यक्तियों को या परिवारों को आमंत्रित किया जाता है। कई बार देखा गया है कि जो लोग बारात में शामिल होने के लिए आते हैं उन्हें दूल्हा-दुल्हन का नाम या शकल मालूम ही नहीं होती और भविष्य में कभी दूल्हा-दुल्हन मिल जाए तो उन्हें पहचानते भी नहीं है।

शादियों का दिखावटीपन : - महिला संगीत के लिए महंगे कोरियोग्राफर बुलाए जाते हैं। मेहंदी में सबको हरे कपड़े पहनने की अनिवार्यता होती है, हल्दी में पीले कुर्ते-पायजामे। जो न पहने, उसे हीन दृष्टि से देखा जाता है।

इवेंट मैनेजमेंट वालों ने शादी की परंपरा को एक प्रदर्शनी में बदल दिया है। दूल्हा-दुल्हन पर से ध्यान हटकर सजावट, डांसर्स, परफॉर्मेंस और दिखावे पर चला जाता है। 10-15 लोग आ रहे हैं अधनंगे कपड़ों में डांस करने, कोई झंडा उठा रहा है, कोई बैनर उठा रहा है, कोई टोपी पहन रहा है, कोई फूल उछाल रहा है, कोई पता नहीं वह गरीब विचित्रता के मानवता के सबूत पेश किए जाते हैं कि हां हम बहुत पैसे वाले हैं और हम इस खर्च का वहन कर सकते हैं। वह खुद भूल जाते हैं, लड़के और लड़की, वर और वधू पक्ष में दोनों लोग कि वह अपने बेटे-बेटी की शादी करने आए हैं और उनका भविष्य/जीवन जो है वह पूजा-पाठ के सहारे चलेगा, भगवान के सहारे चलेगा, इन इवेंट वालों के सहारे नहीं चलेगा। लेकिन उन दोनों पक्षकारों का पूरा ध्यान जो होता है वह इवेंट की बारीकियों पर होता है कि उसने पैर कैसा रखना है, उसने हाथ कैसे रखना है, उसने कंधे पर क्या करना है, ऐसा किया कि नहीं किया, नहीं किया तो इवेंट वाले का पैसा काट दो

फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफर्स 6-8 कैमरे लगाकर ऐसे-ऐसे एंगल से तस्वीरें खींचते हैं जिनका कोई मतलब नहीं होता। सैकड़ों डेटा इकट्ठा होता है जिसे कोई देखने की जहमत तक नहीं उठाता। लेकिन खर्चा लाखों में हो जाता है। बारात प्रोसेशन में 5 से 10 हजार नाच-गाने पर उड़ा देते हैं। इसके बाद रिसेप्शन स्टार्ट होता है। स्टेज पर वरमाला अब फिल्मी स्टाइल में होती है। पहले लड़की और लड़के वाले मिलकर हंसी-मजाक करके वरमाला करवाते थे। आजकल स्टेज पर धुंए की धूनी छोड़ देते हैं। दूल्हा-दुल्हन को अकेले छोड़ दिया जाता है, बाकी सब को दूर भगा दिया जाता है

और फिल्मी स्टाइल में स्लो मोशन में वह एक दूसरे को वरमाला पहनाते हैं, साथ ही नकली आतिशबाजी भी होती है। स्टेज के पास एक स्क्रीन लगा रहता है, उसमें प्री-वेडिंग शूट की वीडियो चलती रहती है।

रिश्तों में आती दूरी : पहले रिश्तेदार शादी में मिलते थे तो घंटों साथ बैठते थे, बातें करते थे। अब अमीरी का दिखावा इतना बढ़ गया है कि सब अपने-अपने कमरे में बंद रहते हैं। मिलना-जुलना सिर्फ औपचारिकता भर रह गया है। एक सामान्य आदमी के लिए भी सोचो। अगर हमें भगवान ने पैसा दे दिया या दौलत और शोहरत दे दी तो उसका इतना दुरुपयोग, दिखावा या प्रदर्शन मत करो कि आपके यहां जो बारात में आया हुआ व्यक्ति है वह अपने आप पर शर्मिंदगी फील करें कि मैं कैसे वहाँ जाऊंगा? लिफाफा दूंगा चले आऊंगा।

आपके लिए इंपॉर्टेंट वह भी है जिसको आपने निमंत्रण दिया है। हो सकता है वह आपके मुकाबले दौलत वाला व्यक्ति नहीं हो लेकिन उसे इतनी आत्मग्लानि फील होती है कि व्यक्ति उक्त शादी में आकर अपने आप को बौना महसूस करता है। वह तो यह जिम्मेदारी मेजबान की है कि जो अपने मेहमानों के अंदर ऐसे इंप्रेशन ना छोड़े कि वह अपने आप के अंदर गिल्ट फील करें।

लिफाफे और गिफ्ट भी अब दिखावे पर आधारित हो गए हैं। लिफाफा और गिफ्ट देने के भी हालत अब यह है कि जिन लोगों को हम सलाम ठोकते हैं उनको तो 11, 21 और 51 हजार या लाखों रुपए की गिफ्ट दी जाएगी, जबकि वह खुद बहुत सक्षम और साधन संपन्न लोग होते हैं और जो लोग हमें सलाम ठोकते हैं, वह हमारे मातहत भी हो सकते हैं और हमसे धन-संपदा में छोटे भी हो सकते हैं, तो उनको उसके लिए 2100 - 5100 का लिफाफा देकर निपटा दिया जाता है, जबकि उसके परिवार को रुपयों की ज्यादा आवश्यकता होती है।

संस्कारों का ह्रास :अक्सर देखता हूँ कि करोड़ों खर्च करने वाले लोग पंडित जी को दक्षिणा देने में एक घंटा बहस करते हैं, और मात्र 5100-11000 रुपये देकर टाल देते हैं। जबकि दूल्हे की साली सिर्फ जूते चोरी के नाम पर हज़ारों रुपये ले लेती हैं। शादी खत्म होते ही उस ब्राह्मण का, जो 12-24 घंटे से सेवा में था, कोई ध्यान भी नहीं रखता। वह दयनीय स्थिति में अपना सामान समेटकर चला जाता है।

यह विरोधाभास दुख देता है: एक मैकेनिक, प्रति विजिट जो बमुश्किल एक घंटे का काम करता है, बिना सवाल किए 500-1000 रुपये ले जाता है, जबकि एक विद्वान ब्राह्मण, जिसने वर्षों पढ़ाई की है, पूरे दिन के काम के बाद भी उचित सम्मान और पारिश्रमिक नहीं पाता। सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि शादी अब आध्यात्मिक अनुष्ठान न होकर मनोरंजन का साधन बन गई है। न मुहूर्त का पालन होता है, न पूजा की पवित्रता का ध्यान रखा जाता है। लोग मंत्रों के बीच हँसी-मजाक करते हैं, जो इस पवित्र परंपरा के प्रति गहरी बेरुखी दर्शाता है। मेरा अपने मध्यमवर्गीय समाज बंधुओं से निवेदन है कि - पैसा आपका है, आपने कमाया है। खुशी का अवसर है, उसे मनाइए लेकिन किसी की देखा-देखी, कर्ज लेकर दिखावा मत कीजिए। 4-5 घंटे के रिसेप्शन में अपनी जीवनभर की पूंजी मत गवा दीजिए। इससे कहीं बेहतर है कि अपने बच्चों को स्थाई संपत्ति, सोना-चांदी दीजिए। साथ ही उनके नाम से कोई दान या सार्वजनिक सेवा कार्य भी करिए ताकि आने वाली पीढ़ी तक यह संदेश पहुंचे कि शादी सिर्फ खर्च और दिखावे की नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी की भी होती है।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी विधानसभा में सीखेंगे राजनीति का गणित

विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग की अनूठी पहल

राजेश यादव

जयपुर। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी अब राजस्थान विधानसभा में बैठकर राजनीति और बहस करते हुए दिखाई देंगे। जीवन कौशल विकास हेतु संचालित प्रबल कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेशभर में राजस्थान युवा सभा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाना है ताकि वे खुले मंच पर अपने विचार स्पष्ट रूप से रख सकें, नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी, विधानसभा जैसी गरिमामयी व्यवस्था में भाग लेकर विद्यार्थी लोकतांत्रिक मूल्यों को समझेंगे और वाद-विवाद व संवाद कौशल में निखार ला सकेंगे।

ब्लॉक और जिले से चयनित होंगे विद्यार्थी :- प्रबल कार्यक्रम की 14 थीम आधारित गतिविधियां अगस्त से सितंबर तक सभी विद्यालयों में संचालित होंगी। विद्यालय स्तर पर मेरिट के आधार पर एक छात्र व एक छात्रा का चयन होगा जो ब्लॉक स्तरीय गतिविधियों में भाग लेंगे। ब्लॉक से चयनित विद्यार्थी जिला स्तर पर पहुंचेंगे और यहां से चयनित विद्यार्थी राज्य स्तरीय मॉक विधानसभा - राजस्थान युवा सभा में हिस्सा लेंगे।

■ प्रबल कार्यक्रम की 14 थीम आधारित गतिविधियां अगस्त से सितंबर तक सभी विद्यालयों में संचालित होंगी, विद्यालय स्तर पर मेरिट के आधार पर एक छात्र व एक छात्रा का चयन होगा जो ब्लॉक स्तरीय गतिविधियों में भाग लेंगे

चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता :-चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक स्तर पर पांच सदस्यीय चयन समिति का गठन होगा। विद्यालय, ब्लॉक और जिला स्तर पर शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को भी समिति में शामिल किया जाएगा। इसके लिए विद्यालय स्तर पर बजट का प्रावधान भी किया गया है।

मार्गदर्शन व मॉनिटरिंग :- विद्यार्थियों को विषय की समझ और कौशल निर्माण के लिए जिला स्तर पर मेंटर्स ग्रुप बनाया जाएगा। वहीं प्रबल कार्यक्रम प्रभारी की नियुक्ति और मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी डाइट को सौंपी गई है। इस संबंध में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल की अध्यक्षता में शिक्षा संकुल में बैठक आयोजित हुई जिसमें अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

डॉ.ओमप्रभा, उपायुक्त, समग्र शिक्षा का कहना है कि राजस्थान युवा सभा एक सोच है, जिससे राजकीय विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास और प्रतियोगिता की भावना जागृत होगी। यह शिक्षा विभाग की एक अग्रिम एवं अनूठी पहल है।

राजेश यादव, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), शिक्षा विभाग।

बाघों के स्वागत को बेताब हैं कालदां के जंगल, घास के मैदान तैयार हुए

बूंदी, (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघों का कुनबा बढ़ने के साथ ही कोर के साथ ही अब बफर जोन के जंगलों में भी बाघों के अनुकूल बनाने के कामों का असर दिखने लगा है। वन विभाग ने दो साल पहले इस क्षेत्र में जुलिफ्लोरा को हटाकर ग्रासलैंड विकसित करने का काम शुरू किया था। वन क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियों को कम कर इन्हें वन्यजीवों के लिए अच्छे आश्रय स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। रिजर्व में वन्यजीवों से समृद्ध व जैव विविधता के लिहाज से महत्वपूर्ण दुर्गम कालदां वन क्षेत्र में कलदां माताजी के निकट 300 बीघा वन भूमि पर विलायती बम्बूल हटाकर सिल्वी पाश्चर पद्धित से घास के मैदान व प्लांटेशन का काम हाथ में लिया था। दो साल बाद घास के मैदानों में घास तैयार हो गई है तथा शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। शीघ्र ही यहां नए ट्रेकिंग रूट बनाने व अन्य इलाकों में नए ग्रासलैंड विकसित करने की योजना है। वन विभाग की नियमित गश्त व जिला कलेक्टर द्वारा सम्पूर्ण टाइगर रिजर्व क्षेत्र में धारा 163 लगाने से इस वर्ष वन क्षेत्रों में पशुपालकों के प्रवेश व बाड़े बनाने पर रोक लगी है। जिससे यह इलाका बाघों के स्वागत के लिए तैयार होने लगा है। एक महीने पहले शॉफ्ट एनक्लोजर से खुले जंगल में छोड़ी गई युवा बाघिन आरवीटी 8 का रुख कलदां की तरफ है तथा यह कभी भी इन जंगलों में प्रवेश कर सकती है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के देवझर महादेव से भीमलत तक के बफर जोन में परम्परागत जलस्त्रोतों पर 12 माह पानी की उपलब्धता मूक प्रणियों के जीवन का आधार बने हुए हैं। करीब तीन सौ वर्ग किलोमीटर के इन दुर्गम पहाड़ी जंगलों में डेढ़ दर्जन से अधिक स्थानों पर भीषण गर्मी में भी कल-कल पानी बहता रहता है। साल भर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में जल उपलब्धता के चलते मूक प्रणियों के लिए बूंदी के जंगल सदियों से प्रमुख आश्रय-स्थल बने हुए हैं। इनमें से कई प्राकृतिक जल-स्त्रोत तो पहाड़ी की चोटियों पर है जिनमें भीषण गर्मी में भी जल प्रवाह बना रहता हैं। जल उपलब्धता के कारण जिले में भालू, पेंथर सहित अन्य वन्यजीवों का कुनबा बढ़ा है तथा इलाका फिर से बाघों से आबाद होने लगा है।

जिले के सुदूर दुर्गम पहाड़ी इलाकों में गर्मियों में भी जल उपलब्धता वाले जल स्त्रोतजैव-विविधता के वाहक होने के साथ-साथ वन्यजीवों के प्रमुख आश्रय स्थली भी सिद्ध हुए हैं। इनमें पहाड़ी चोटी पर स्थित कालदां माताजी का स्थान प्रमुख है, जहां भीषण अकाल में भी पानी का एक बड़ा दह भरा रहता है तथा प्राकृतिक रूप से यहां चट्टानों से पानी निकलता है। इसी कारण इसका नाम कालदह पड़ा जो अब कालदां वन खण्ड के रूप में जाना जाता है। इसी पहाड़ी पर उमरथुणा के निकट केकत्या महादेव, सथूर के निकट देवझर महादेव, आम्बा वाला नाला, डाटूंदा के पास दुर्वासा महादेव, पारा का देवनारायण, नारायणपुर के पास धूंधला महादेव, खीण्या-बसोली के पास आम्बारोह, भीमलत महादेव, नीम का खेड़ा के पास झरोली माताजी, खेरूणा के नीलकंठ महादेव आदि स्थान सदाबहार जलयुक्त होने के कारण सदियों से बाघों के पसंदीदा स्थान रहे है। इसी प्रकार भीलवाड़ा जिले के बांका वनखंड के सीता कुंड व भाला कुई जैसे महत्वपूर्ण स्थल ही टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बाघों के प्रमुख आश्रय स्थल सिद्ध होंगे।

पृथ्वी सिंह राजावत,पूर्व मानद वन्यजीव प्रतिपालक,बूंदी के अनुसार जिले के सुदूर दुर्गम पहाड़ी इलाकों में गर्मियों में भी जल उपलब्धता वाले जल स्त्रोतजैव-विविधता के वाहक होने के साथ-साथ वन्यजीवों के प्रमुख आश्रयस्थली भी सिद्ध हुए हैं। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल ही आने वाले समय में टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बाघों के प्रमुख आश्रय स्थल सिद्ध होंगे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 22 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 12:17 तक, वारियान योग दिन 2:35 तक, शकुनि करण दिन 11:56 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:17 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-सिंह राशि में।

आज पितृकार्या अमावस्या, पिठोरी अमावस्या, जैन वृषमोत्सव, मन्वादि, जीवंतिका पूजन है। आज से शरद ऋतु आरम्भ होगी। आज सयन कन्या से सूर्य रात्रि 2:04 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:41 तक, लाभ-अमृत 7:41 से 10:54 तक, शुभ 12:30 से 2:06 तक, चर 5:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:54

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनःस्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जनसुनवाई में वर्षों पुरानी समस्याओं का त्वरित निस्तारण

राजसमंद, । जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में नागरिकों की वर्षों से लंबित कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई की अध्यक्षता जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने की। इस दौरान कुल 37 प्रकरण प्रस्तुत हुए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न भागों से आए लोगों ने भूमि विवाद, पेंशन, आवासीय समस्याएं, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति, सडक निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक सहायता से जुडे मुद्दे रखे। कलक्टर हसीजा ने इन प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से मौके पर ही संवाद कर कई समस्याओं का निस्तारण कराया। शेष मामलों पर शीघ्र एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं बल्कि वास्तविक समाधान सुनिश्चित करना है। प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता यही है कि हर नागरिक को राहत मिले। इस दौरान एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, एसडीओ बृजेश गुप्ता, नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और विकास अधिकारी वीसी के माध्यम से जुडे।

एमडी में अध्यापक-अभिभावक परिषद की बैठक में

■ रिमार्केबल एजुकेशन के कॉर्डिनेटर ने की सहभागिता

राजसमंद, । जिला मुख्यालय के समीप स्थित राउमावि एमडी में गुरूवार को अध्यापक-अभिभावक परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पीईओ और प्रधानाचार्य भानुकुमार वैष्णव ने की। शारिरीक शिक्षक धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में रिमार्केबल एजुकेशन के कॉर्डिनेटर राजदीप सिंह और करिश्मा कुमावत ने अपने अनुभव के आधार पर अपना प्रेजेंटेशन दिया। उन्होनें अभिभावकों को बालको के केरियर से संबंधित दिशा-निर्देश प्रदान किए। अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए बालक-बालिकाओं के केरियर बनाने के लिये कहा कि बच्चों की सुने, समझे और उनकी भावनात्मक रूप से मदद करते हुए उन्हें इज्जत दें, साथ ही बच्चों को फोन का वाजिफ उपयोग, बच्चों की संगत बच्चों की पसंद आदि के बारे में विस्तार से चर्चा-परिचर्चा की। प्रधानाचार्य बीके वैष्णव ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में उन्नयन के बारे में अभिभावकों की जागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों पर पैनी निगाह रखने की आवश्यकता है। शारीरिक शिक्षक अनोखा ने समय की पाबन्दी, विद्यालय अनुशासन, खेलकूद, स्काउटिंग, विद्यालय पोषाक, नियमितता पर अपनी बात रखते हुए शिक्षा विभाग की मंशानुरूप बालकों का सर्वांगीण विकास कैसे हो आदि पर अपने विचार रखे। अध्यापक-अभिभावक बैठक में अभिभावक घासीराम सालवी, चिरंजीलाल जांगिड, दिनेश चन्द्र, किशन लाल भील, कालुराम भील, प्रकाश कीर, कैलाश चन्द्र, उदयलाल, दिनेश जाट, नगजीराम, नारायण लाल, रामलाल, भरत भील, बंशीलाल गुर्जर, निर्मला भील, रमेश प्रजापत, सुरेश चन्द्र, बालुलाल, हजारीलाल, पुरण सिंह राठौड, हरिराम, फत्तुदेवी, ललिता लोहार, बाबुलाल कीर, संतोषदेवी, रेखा माली सहित कई अभिभावक मौजूद थे।

शिक्षक संघ के चुनाव 24 को

राजसमंद, । राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा आमेट, भीम, देवगढ, कुंभलगढ और रेलमगरा के चुनाव प्रदेश निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 24 अगस्त रविवार को होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी योगेश कुमार के निर्देशन अनुसार जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह चारण ने बताया की उप शाखा आमेट के चुनाव सेठ तख्त मल अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय भीम के राबाउमावि बरार, देवगढ के राउप्रावि सोलंकी दरवाजा, कुंभलगढ के महाराणा प्रताप राउमावि और रेलमगरा के चुनाव राउप्रावि सती चौराहा गिलुंड रोड में होंगे। सुबह 8 बजे से सूची प्रकाशन से प्रारंभ होंगे, नामांकन 9 से 11 बजे तक होगा, तत्पश्चात आवश्यकता होने पर विभिन्न पदों पर चुनाव होंगे।

मार्बल व्यवसाय को राहत दे

राजसमंद, । जिला मार्बल ट्रेडर्स एसोसिएशन की आवश्यक बैठक गुरूवार को मार्बल मार्केट मोरचना में अध्यक्ष गोविंद सनाढय की अध्यक्षता में हुई। महामंत्री सुशील बडाला ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा 23 जुलाई को नोटिफिकेशन जारी कर मार्बल पर अप्रत्याशित 25 प्रतिशत दर से रायल्टी बढाकर दी जो कि न्याय संगत नहीं है। 22 दिन से डिस्पैच बंद होने से सैकडों मजदूर पलायन कर गये। सैकडों मार्बल इंडस्ट्रीज बंद होने से रेवेन्यू के नुकसान के साथ साथ व्यवसाय को भी भारी हानि होने के बावजूद सरकार ने अभी तक कोई पुरी बढी रायल्टी कम करने का कोई ठोस निर्णय नही लिया है । गोविंद सनाढय ने कहां कि विगत 4-5 सालों से मार्बल व्यवसाय भयंकर मंदी के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में मार्बल पर जीएसटी व रायल्टी कम करने की बजाय रायल्टी बढा दी। सभी वर्ग आर्थिक संकट से गुजर रहे है ऐसे में सरकार से एशोसियेशन के माध्यम से जानना चाहते है कि सरकार का ऐसा कौनसा मापदंड है जिसमें राजसमंद में निकलने वाले ग्रेनाइट पर रायल्टी मात्र 1० प्रतिटन बढाई जबकि मार्बल पर 8० प्रतिटन बढा दी।

अहीर समाज कल मनाएगा भव्य नंदोत्सव

राजसमंद, । अहीर समाज द्वारा इस वर्ष भी भव्य नंदोत्सव का आयोजन शनिवार को किया जाएगा। आयोजक कमेटी के सदस्य लेहरुलाल अहीर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को सुबह 1० बजे जेके सर्कल से विट्ठल विलास बाग तक बाइक रैली निकाली जाएगी। इसके बाद सुबह 1०:3० बजे से विशाल जुलूस शुरू होगा, जिसमें द्वारकाधीशजी, कृष्ण, राधा, बलराम और अन्य कलाकारों की झांकियां शामिल होगी। इस जुलूस में अहीर समाज की महिलाएं 551 दही और माखन की मटकियां लेकर नाचते-गाते हुए आगे बढेगी।

बीएन पीजी गर्ल्स कॉलेज में इंडक्शन कार्यक्रम

राजसमंद, । कांकरोली स्थित बीएनपीजी गर्ल्स कॉलेज के प्रबन्ध व वाणिज्य संकाय तथा बीसीए विभाग द्वारा 5 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम के दूसरे दिन गुरूवार को महाविद्यालय में संचालित सभी सेल एनसीसी, एनएसएस और रेड रिबन क्लब के बारे में जानकारी प्रदान की। प्राचार्य प्रो अपर्णा शर्मा ने बताया कि इंडक्शन कार्यक्रम के दूसरे दिन महाविद्यालय में संचालित सभी सेल प्रभारियों द्वारा सेल के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की और छात्राओं को अभिप्रेरित किया गया कि वह किसी न किसी सेल की सदस्यता प्राप्त कर अपनी व महाविद्यालय की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। उपाचार्य डॉ इंद्रसिंह राठौड ने महाविद्यालय इतिहास का संक्षिप्त परिचय दिया देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में किसी एक क्षेत्र को अपना लक्ष्य बनाकर उसी पर निरंतर आगे बढते रहना चाहिए। एनएसएस प्रभारी डॉ अनुसुया उपाध्याय ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसकी सदस्यता प्राप्त कर स्वयं सेविकाएं समाज के कल्याण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ विनिता पालीवाल ने एनसीसी को विस्तार से समझाया और छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि एनसीसी जॉइन करने से छात्राओं का सर्वांगीण विकास सम्भव है। रेडरिबन प्रभारी डॉ संगीता मालपानी ने बताया कि इस क्लब की सदस्यता प्राप्त करने के बाद छात्राओं के मन में घायलों की सेवा, रक्तदान, एड्स के प्रति जागरूकता आदि के भाव उत्पन्न होते है। ये क्लब पूरी तरीके से समाज सेवा की ओर अग्रसर करता है।

विधायक ने किया कार्यों का निरीक्षण

राजसमंद, । कांकरोली स्थित श्रीबालकृष्ण स्टेडियम में चल रहे सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण कार्यों का गुरूवार को विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के समय मैदान के समतलीकरण, सौंदर्यीकरण, जल निकासी व्यवस्था, स्टेडियम में आवश्यक सुविधाओं और मरम्मत कार्यों की कार्य योजना पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। विधायक दीप्ति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हों, जिससे क्षेत्रवासियों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का आधुनिक स्वरूप क्षेत्र की खेल गतिविधियों और स्थानीय प्रतिभाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके नवीनीकरण से खेल प्रेमियों एवं युवाओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होंगी तथा खेल भावना को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही यह स्टेडियम विभिन्न आयोजनों के लिए भी मजबूत आधार बनेगा। निरीक्षण दौरान भाजपा अध्यक्ष दिनेश कुमावत, भाजयुमो अध्यक्ष मोहन कुमावत, पूर्व नगर अध्यक्ष महेंद्र टेलर, पूर्व सभापति सुरेश पालीवाल, नगरपरिषद आयुक्त ब्रजेश राय, नगर महामंत्री रजनीकांत साहू, भगवान सिंह केलावत, पूर्व पार्षद राजेश पालीवाल, युवा मोर्चा जिला महामंत्री ललित खींची, मोहन कुमावत, प्रकाश रांका, पंकज बाफना, जयदयाल कुमावत सहित संबंधित अधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

शिविर आयोजित

राजसमंद, । जिला कांग्रेस सेवादल की ओर से आयोजित तीन दिवीसय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के दुसरे दिन गुरूवार की शुरूआत वन्दे मातरम से हुई। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष पुष्कर श्रीमाली ने बताया संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर की विवघता ध्वज वन्दन कार्यक्रम प्रदेश सेवादल उपाध्यक्ष और जोन प्रभारी के मुख्य आतिथ्य ध्वज रोहण किया गया। सत्र में प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत ने बोद्धिक विचार व्यक्त करते हुए संगठन निर्माण और नेतृत्व निर्माण, राष्ट्रीय प्रशिक्षक देवेन्द्र शर्मा ने कांगे स पार्टी का इतिहास को विस्तार से जानकारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पण्डित जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, भीम राव अम्बेडकर एक महान स्वतन्त्रता सेनानियो महापुरुषो के बारे में विचार व्यक्त किए।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11( )/Regin-II/2025/1183 दिनांक: 19-8-2025

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम झरनों की सराय के खसरा नम्बर 6 से 23, 25, 107, 600/107, 601/107, 602/106, 108, 123, 127/1, 128 से 133, 134/1, 135/1, 136 से 150, 151/1, 151/2, 152 से 157, 160, 161, 162 से 201, 204, 207, 208, 209, 212, 214, 220 से 229, 231, 232, 603/163/2, एवं राजस्व ग्राम डांगियों की पंचोली के खसरा संख्या 3, 6 से 22, 29, 30, 31 राजस्व ग्राम धोली मगरी के खसरा संख्या 1545 से 1551, 1552मी, 1553, 1554मी. के अनुमोदित योजना प्लान में स्थित भूखण्ड संख्या 836 नया (106 पुराना) क्षेत्रफल 1077.00 वर्गफीट के नियमन हेतु श्रीमती भानुप्रिया पत्नी श्री सुरेश जी चौबीसा, निवासी-गांव अमिरामा वाया बान्सी, पोस्ट बड़वल, तहसील बड़ी सादड़ी, जिला चित्तौड़गढ़, (राज.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं। उक्त भूखण्ड आवेदक द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय-पत्र दिनांक 13/05/2024 से श्री घनश्याम पिता श्री गोपीलाल जी गोराणा से क्रय कर प्राप्त किया हैं।

अतः वर्णित भूखण्ड का पट्टा विलेख आवेदक श्रीमती भानुप्रिया पत्नी श्री सुरेश जी चौबीसा निवासी-गांव अमिरामा वाया बान्सी, पोस्ट बड़वल तहसील बड़ी सादड़ी, जिला चित्तौड़गढ़, (राज.) के पक्ष में किये जाने के संबंध में यदि किसी संस्था/व्यक्ति/फर्म इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 10 दिवस की अवधि में इस कार्यालय को प्रस्तुत करावें, अन्यथा इस अवधि उपरान्त पट्टा विलेख आवेदक के पक्ष में जारी किया जावेगा।

(जितेन्द्र ओझा) उपायुक्त
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

कार्यालय नगर परिषद राजसमन्द, जिला-राजसमन्द

क्रमांक : न.प.रा./2025/400 दिनांक: 20/08/2025

आपत्ती सूचना पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स न्यु लुक होटल एण्ड रिसोर्टस प्रा.लि.जरिये डायरेक्टर श्री प्रकाशचन्द्र पगारिया पिता श्री सोहनप्रकाश पगारिया निवासी मीरानगर जलचक्की कांकरोली को कार्यालय प्राधिकारी उपखण्ड अधिकारी राजसमन्द के आराजी संख्या 1101/717/4 का मिसल संख्या रेवेन्यू/364/97 पट्टा संख्या 170 दिनांक 15.05.1998 को 2573.22 वर्गगज का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ जारी किया गया है व आराजी संख्या 1101/1/717/2 का मिसल संख्या रेवेन्यू/373/97 पट्टा संख्या 171 दिनांक 15.05.1998 को 2572.77 वर्गगज का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ जारी किया गया है। यह कि दोनो वाणिज्यिक भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 46313.91 वर्गफीट यानि 4304.26 वर्गमीटर का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ रूपान्तरण किया गया, जिसमें से 17325 वर्गफीट यानि 1610.13 वर्गमीटर का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ से वाणिज्यिक पेट्रोल पम्प प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन चाहा गया है। उक्त भू-उपयोग परिवर्तन करने में कोई आपत्ती हो तो 15 दिवस में अपनी आपत्ती लिखित में मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई आपत्ती स्वीकार्य नहीं होगी।

आयुक्त
नगर परिषद, राजसमन्द

कार्यालय ग्राम पंचायत ऋषभदेव पं.स. ऋषभदेव, जिला-उदयपुर

क्रमांक:-एफ( )/ग्रापंका/लेखा/ई-निविदा/2025/67 दिनांक-18.08.2025

-: ई निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत ऋषभदेव में ग्रामीण विकास योजना के कार्य हेतु निर्माण कार्य एवं दोष निवारण के लिए उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग व नगर निगम मे पंजीकृत संवेदक एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा एवं विस्तृत शर्ते कार्यालय दिवस में कार्यालय में एवं टेण्डर डॉक्युमेंट http:// eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देख सकते है।

UBN No- ZUD2526WSOBO1782
ZUD2526WSOBO1783

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ऋषभदेव	ग्राम पंचायत ऋषभदेव
पं.स. ऋषभदेव	पं.स. ऋषभदेव
जिला-उदयपुर	जिला-उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत ऋषभदेव पंचायत समिति ऋषभदेव, जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-166 दिनांक:-20.08.2025

-: ई निविदा सूचना-02/2025-26 :-

ग्राम पंचायत ऋषभदेव में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 26.08.2025 दोपहर 12 .00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

Tender ID-2025_PRD_495543_1
NIB No1. ZUD2324A0222
UBN No1. ZUD2324GLOB00289

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ऋषभदेव	ग्राम पंचायत ऋषभदेव
पं.स. ऋषभदेव	पं.स. ऋषभदेव
जिला-उदयपुर	जिला-उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत बेड़ावल, पंचायत समिति लसाड़िया, जिला सलुम्बर (राज.)

क्रमांक:-113 दिनांक:-14.08.2025

-: ई निविदा सूचना-01/2025-26 :-

ग्राम पंचायत बेड़ावल में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 25.08.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No 1 ZUD2526GLOB01733

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बेड़ावल	ग्राम पंचायत बेड़ावल
पं.स. लसाड़िया	पं.स. लसाड़िया
जिला- सलुम्बर (राज.)	जिला- सलुम्बर (राज.)

मार्बल रॉयल्टी वृद्धि और अन्य विकास मुद्दों पर की चर्चा

राजसमंद, 21 अगस्त। नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड ने राज्य सरकार द्वारा जिले में मार्बल पर बढाई गई रॉयल्टी के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से चर्चा की।

बैठक में राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई और जनहित में योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने पर विचार विमर्श हुआ। सांसद ने मुख्यमंत्री से कहा कि जिले के मार्बल उद्योग को बढावा देने और स्थानीय श्रमिकों के रोजगार को सुनिश्चित करने के लिए रॉयल्टी में वृद्धि को पुनः विचारने की आवश्यकता है। उन्होंने इस मुद्दे को क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण बाधा के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे स्थानीय उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है। बैठक में सांसद ने संसदीय क्षेत्र के समग्र विकास के लिए युवाओं के रोजगार, कुंभलगढ और चित्तौडगढ जैसे ऐतिहासिक किलों के संरक्षण, पर्यटन को बढावा देने और उद्योगों में स्थानीय श्रमिकों को प्राथमिकता देने जैसे मुद्दों पर भी जोर दिया। सांसद मेवाड ने मुख्यमंत्री से इन सभी मुद्दों पर शीघ्र कार्यवाही करने का अनुरोध किया, ताकि क्षेत्र की जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड और राजस्थान के सभी राज्यसभा और लोकसभा सांसद मौजूद थे।

कार्यालय नगरपरिषद् डूँगरपुर (राज.)

फोन (का) :— 02964—232459, फैक्स :— 02964—233690, Email Id:- npd.dpr@gmail.com

क्रमांक :— एफ/भूमि/न.प.डूं./2025—26/2467 दिनांक :— 19.08.2025

भूखण्डों की ई—नीलामी सूचना — 22

भूखण्डों की ई—निलामी सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् डूँगरपुर में परिषद की अनुमोदित नवाडेरा आवासीय योजना, वसुंधरा विहार आवासीय योजना एवं केन्द्रिय विद्यालय के सामने वाणिज्यिक ब्लॉक में दर्शित भू—खण्ड व साईज अनुसार निम्नांकित दिवसों में विक्रय किये जायेगे। जिसका ब्यौरा एवं नीलामी की शर्ते कार्य दिवस में कार्यालय में एवं पोर्टल पर ऑनलाईन देखी जा सकती है। उक्त निलामी निर्धारित दिनांक प्रातः 11:00 बजे से ऑनलाईन पोर्टल http://sso.rajasthan.gov.in मे ई—ऑक्शन एप्लीकेशन (E-Auction Application) के माध्यम से राजस्थान नगर पालिका भूमि निष्पादन नियम 1974 के प्रावधानों के अन्तर्गत सार्वजनिक निलामी से आवासीय भू—खण्ड विक्रय हेतु की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित दिनांक से दो दिवस पूर्व तक अमानत राशि ऑनलाईन जमा कर बोली में भाग ले सकते है। भूखण्डों की बोली ऑनलाईन निर्धारित दिनांक को प्रातः 11.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर अंतिम बोली समाप्ति तक रखी गई है। भूखण्ड जिस स्थान व जिस स्थिति में होंगे उसी स्थिति में विक्रय किये जायेंगे। जिनका विवरण निम्नानुसार है :—

क्र. सं.	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड का प्रकार	क्षेत्रफल (वर्गफीट)	न्यूनतम निर्धारित दर प्रति वर्गफीट	तदाद भूखण्डों की संख्या	अमानत राशि (प्रति भूखण्ड)	बोली प्रकिया/आवेदन शुल्क	नीलामी तिथि
1.	नवाडेरा आवासीय योजना	14 पार्ट (कॉर्नर भूखण्ड)	वाणिज्यिक	39'X60' = 2340 वर्गफीट	2800	1	131040/—	1000/—	
2.	नवाडेरा आवासीय योजना	भूखण्ड नं. 28 व भूखण्ड नं. 29 पार्ट	आवासीय	साईज 25'X50' = 1250 + 1/2 (24'X50') = 600 वर्गफीट कुल भूखण्ड साईज 1850 वर्गफीट	2300	1	85100/—	1000/—	
3.	नवाडेरा आवासीय योजना	भूखण्ड नं. 16 व भूखण्ड नं. 15 पार्ट	आवासीय	साईज 25'X50' = 1250 वर्गफीट + 1/2 (20'X50') = 500 वर्गफीट कुल साईज 1750 वर्गफीट	2300	1	80500/—	1000/—	
4.	नवाडेरा आवासीय योजना	भूखण्ड नं. 20 व भूखण्ड नं. 21 पार्ट	आवासीय	साईज 25'X50' = 1250 वर्गफीट + साईज 12'+16'/2X50' = 700 वर्गफीट कुल भूखण्ड साईज 1950 वर्गफीट	2300	1	89700	1000/—	09.09.2025 से 12.09.2025 तक
5.	नवाडेरा आवासीय योजना	भूखण्ड नं. 22	आवासीय	16'+18'/2X50' = 850 वर्गफीट	2300	1	39100	1000/—	
6.	नवाडेरा आवासीय योजना	भूखण्ड नं. 23 से 27	आवासीय	25'X50' = 1250 वर्गफीट	2300	5	57500	1000/—	
7.	वसुंधरा विहार आवासीय योजना	71	आवासीय	40'+48'/2 X 50' = 2200 वर्गफीट	2300	1	101200/—	1000/—	
8.	वसुंधरा विहार आवासीय योजना	72	आवासीय	48'+60'/2 X 60' = 3240 वर्गफीट	2300	1	149040/—	1000/—	
9.	केन्द्रिय विद्यालय के सामने खसरा नं. 620 पार्ट	कॉर्नर ब्लॉक	वाणिज्यिक	8186 वर्गफीट	2800	1	458416/—	1000/—	

ई—निलामी सम्बन्धित समय व दिनांक का विवरण :—
ई निलामी से सम्बन्धित विवरण व शर्त वेबसाईट http://sso.rajasthan.gov.in ई—ऑक्शन एप्लीकेशन (E-Auction Application) के माध्यम से देखी जा सकती है।

नीलामी दिनांक 09.09.2025 से 12.09.2025 का विवरण

विवरण	दिनांक व समय
ई—नीलामी आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	02.09.2025 रात 12:00 बजे से 08.09.2025 सायं 06:00 बजे तक
ई—नीलामी में भाग लेने हेतु राशि जमा कराने की तारीख	02.09.2025 रात 12:00 बजे से 08.09.2025 सायं 06:00 बजे तक
ई—नीलामी की तारीख	09.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे से 12.09.2025 सायं 6:00 बजे तक

नीलामी शर्ते :—

1. बोली लगाने से पूर्व बोलीदाता को प्रत्येक भूखण्ड हेतु निर्धारित अमानत पृथक—पृथक जमा होने पर बोली में भाग ले सकेगे। उक्त धरोहर (अमानत) राशि ऑनलाईन ही जमा करवाना अनिवार्य होगा।
2. यह भूमि विक्रय राज. नगर पालिका भूमि निष्पादन नियम 1974 नियम से संशोधन 02 को 2010 व उनके द्वारा जारी परिपत्रों के अन्तर्गत की जा रही है।
3. निलामी बोली में कॉर्नर प्लाट पर अन्तिम नीलामी की 10 प्रतिशत अतिरिक्त राशि देय होगी।
4. जिस व्यक्ति के नाम अमानत राशि की रसीद कटेगी परिषद् द्वारा उसी व्यक्ति के नाम का पट्टा जारी किया जावेगा। नाम में किसी प्रकार का संशोधन नही किया जावेगा।
5. उच्चतम बोली लगाने वाले को भूखण्ड नीलामी की निर्णय दिनांक से सात कार्य दिवस के भीतर अपनी बोली का 15 प्रतिशत राशि जमा कराना अनिवार्य होगा
6. सफल बोलीदाता द्वारा बोली की रकम 35 प्रतिशत भाग नीलामी दिनांक से 120 दिवस के अन्तर्गत जमा कराना आवश्यक होगा। तथा शेष 50 प्रतिशत राशि निलामी दिनांक से 180 दिवस के अन्तर्गत जमा करना आवश्यक होगा। असफल रहने पर बोली स्वीकार करने की तिथि से मूल राशि पर 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज प्रभारित किया जायेगा।
7. भूखण्ड 99 वर्ष लीज होल्ड पर अरबन सेटलमेन्ट ग्राउण्ड रेट के आधार पर विक्रय किया जावेगा जिसकी लीज राशि आवासीय होने पर 2.50 प्रतिशत एवं वाणिज्यिक होने पर 5 प्रतिशत नियमनानुसार क्रेता द्वारा जमा करानी होगी।
8. लीज डीड शाश्वत लीज पत्र का विधिवत पंजीयन करवाना अनिवार्य होगा जिसकी स्टाम्प व नक्शा एवं रजिस्ट्री का व्यय भू—खण्ड क्रेता का होगा।
9. बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सभापति एवं आयुक्त नगर परिषद डूँगरपुर के पास सुरक्षित रहेगा जिसका कारण बताना आवश्यक नही होगा।
10. 03 वर्ष की अवधि के अन्दर नियमों के अन्तर्गत नक्शा स्वीकृत करवाकर क्रेता को भवन निर्माण करवाना होगा। यदि 03 वर्ष की अवधि में भवन निर्माण नहीं करवाया गया तो जमा करायी गई सम्पूर्ण राशि को परिषद द्वारा जब्त कर लिया जावेगा तथा पालिका द्वारा राशि जब्त कर भूखण्ड को निरस्त कर अपने कब्जे मे ले लिया जायेगा तथा पुनः नीलाम कर दिया जावेगा।
11. भूमि के मानचित्र एवं शर्ते/प्रतिबन्ध व समस्त जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय सूचना पट्ट पर देखी जा सकेगी।
12. उपरोक्त भूखण्डों का मौके पर क्षेत्रफल कम या ज्यादा होगा तो उसके आधार पर ही राशि जमा करानी होगी।
13. समयावधि घटाने—बढाने का अधिकार नीलामी समिति के पास सुरक्षित रहेगा।
14. बोली बढाने की राशि कम से कम 50/— रूपये रहेगी। इससे कम बोली की राशि बढाने पर मान्य नहीं होगी।

राज.संवाद/सी/25/8479 सभापति आयुक्त

प्रतियोगिताएं प्रांरभ हुई

राजसमंद, । उदयपुर संभाग के वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालयों के 19 वर्षीय छात्र वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ गुरूवार को शंकरपुरा स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक दीप्ति माहेश्वरी, विशिष्ठ अतिथि प्रधान अरविंदसिंह राठौड और संभागीय उपनिरीक्षक राममोहन शर्मा थे, अध्यक्षता संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी भगवती शंकर व्यास ने की। विधायक दीप्ति ने कहा कि देववाणी संस्कृत समस्त भाषाओं की जननी है, इसी से संस्कृति और संस्कार पुष्ट होते है, उन्होंने मेवाड वागड अंचल के विभिन्न जिलों से आए सभी बालकों को बधाई दी। अतिथियों के दीप प्रज्ज्वलन सरस्वती पूजा के पश्चात् जिला नोडल अधिकारी अल्का पालीवाल, उपसरपंच पुष्कर गुर्जर, शंभुसिंह, लक्ष्मणसिंह, पूरण सिंह सहित ग्रामवासियों, विद्यालय विकास एवं प्रबंध समिति के सदस्यों ने अतिथियों का तिलक, उपरणा मेवाडी पाग, शॉल भेंटकर स्वागत किया। स्थानीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तथा राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय जावदा चित्तोडगढ के छात्रों द्वारा ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद की ऋचाओं द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय कनवा बस्ती नाथद्वारा के छोटे छोटे छात्रों ने मनमोहक जिमनास्टिक प्रदर्शन कर खुब तालियॉ बटोरी। केन्द्राध्यक्ष एवं स्थानीय प्रधानाचार्य अनुराग सोलंकी ने स्वागत उद्बोधन में विद्यालय एवं प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रार्थना एवं अन्य सामुहिक कार्यक्रमों के लिए एक कान्फ्रेंस हॉल की आवश्यकता बताई। संभागीय उपनिरीक्षक राममोहन शर्मा ने स्थानीय ग्राम में बीएसटीसी की आवश्यकता बताते हुए विधायक से प्रयास करने का आग्रह किया। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक माधवलाल जाट, जितेन्द्र पाटीदार, पवन पंड्या ने मुख्य अतिथि को आवश्यक जानकारियॉ देते हुए खिलाडी परिचय का क्रम सम्पन्न कराया। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने प्रतियोगिता शुभारम्भ की घोषणा करते हुए ध्वजारोहण किया। सभी खिलाडियों को संस्कृत में शपथ दिलाई गई।

मलेरिया, डेंगू व स्क्रबटाइफस से बचाव के लिये करें उपाय

राजसमंद, । मौसमी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सम्पूर्ण जिले में घर- घर सर्वे कार्य शुरू कर दिया है, जिससे समय पर संभावित रोगियों को चिन्हीत कर उपचार मिल सके तथा आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिये आवश्यक ऐहतियाती उपायो की जानकारी देकर बचाव के लिये प्रेरीत कर सके। यह जानकारी सीएमएचओ डॉ एचके बिन्दल ने देते हुए बताया कि प्रत्येक गांव में सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारी प्रभारी के पर्यवेक्षण में सीएचओ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आशा द्वारा घरो में जाकर बुखार से ग्रस्त मरीजो की ब्लड स्लाईड क्लेक्शन करने तथा मौके पर ही उपचार करने के लिये निर्देशित किया गया है। उन्होंने जन जनित बीमारियों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को पेयजल स्त्रोत से प्रति सप्ताह कम से कम 1० नमुने लेकर जिला स्तर पर भिजवाने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि मौसम के मध्येनजर डेंगू मलेरिया से बचाव के लिये आमजन को भी विशेष सावधानियां बरतनी चाहियें, घर के अन्दर कूलर, टायर, गमले और अन्य पानी के बर्तनो में पानी जमा ना होने देए प्रति सप्ताह उनको सुखायें, घर के आस पास कूडा कचरा और रूके हुए पानी को साफ करें, पानी की टंकियो को ढककर रखे जिससे उनमें मच्छर पैदा ना हो सके। डेंगू और मलेरिया दोनो ही गंभीर बीमारियां है इनके लक्षणो में बुखार, सिरदर्द, जोडो में दर्द, थकान और उल्टी शामिल है, लक्षण महसुस होने पर तत्काल नजदीकी चिकित्सा संस्थान पर जाना चाहिये।

स्क्रब टाइफस इस मौसम में तेजी से फैलता है जो एक बैक्टीरिया से होने वाला इंफेक्शन है जो चिगर्स लार्वा माईट्स के काटने से फैलता है, खेती एवं पशुपालन से जुडे लोगो के प्रभावित होने का ज्यादा खतरा होता है। इसके बचाव के लिये आवश्यक है कि पशुओं के बाडो में साफ-सफाई रखी जाये, घर व खेतो के आस-पास से झाडीयां हटाई जाये तथा अपने हाथो पैरो को अच्छे से ढंककर रखना चाहिये। उन्होंने बताया कि घर- घर सर्वे के दौरान लोगो को मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने सभी खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को प्रति दिन की गई गतिविधियों की सूचना को उसी दिन जिला स्तर पर करने के लिये निर्देशित किया है।

जालोर में मूसलाधार बारिश से नदी, नालों व कई बांधों में पानी की आवक

तेज बारिश के चलते शहर में कई जगह पानी भरने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में मानसून की सक्रियता के चलते गुरुवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहने से कई जगह नदी-नालों व कई बांधों में पानी की आवक देखी गई। वहीं शहर में प्रशासन की उदासीनता के चलते निकासी नहीं होने से कई जगह सड़कें तालाब में तब्दील नजर आईं।

जालोर में गुरुवार अलसुबह करीब छह बजे बारिश का दौर शुरु हुआ, जो दिनभर कभी तेज तो कभी रिमझिम रही। दिनभर बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त नजर आया। तेज बारिश के चलते जालोर शहर में कई जगह पानी भर जाने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। जालोर शहर के बांकली बांध, वणधर बांध सहित कई बांधों में पानी की आवक देखी गई। वहीं जिले के कई नदी नालों में भी पानी की आवक आने से कई जगह रास्ते अवरुद्ध हो गये। तेज बारिश के चलते शहर के तिलकद्वार, लाल पोल व बड़ी पोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। वहीं शहर के नया बस स्टैण्ड में निकासी नहीं होने से बारिश का पानी बस स्टैण्ड में भर जाने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश का पानी भर जाने से बस स्टैण्ड तालाब की तरह नजर आया। वहीं बस स्टैण्ड के आगे पंचायत समिति रोड तक भी निकासी नहीं होने से सड़क पर पानी भर जाने से वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रशासन की उदासीनता के चलते आहोर चौराहा पर अभी हाल ही में बनाई गई सीसी रोड नियमानुसार निर्माण नहीं करने से शिवाजी नगर में पानी भर गया। वहीं शहर में बिना मापदण्ड के सडक का कार्य करने व कई जगह सड़क नहीं होने से सड़कों पर पानी भर गया। ऐसे में जगह-जगह पानी भर जाने से आमजन को परेशानी उठानी पड़ी। तेज बारिश के चलते शहर में कई कॉलोनियों में पानी नजर आने लगा।

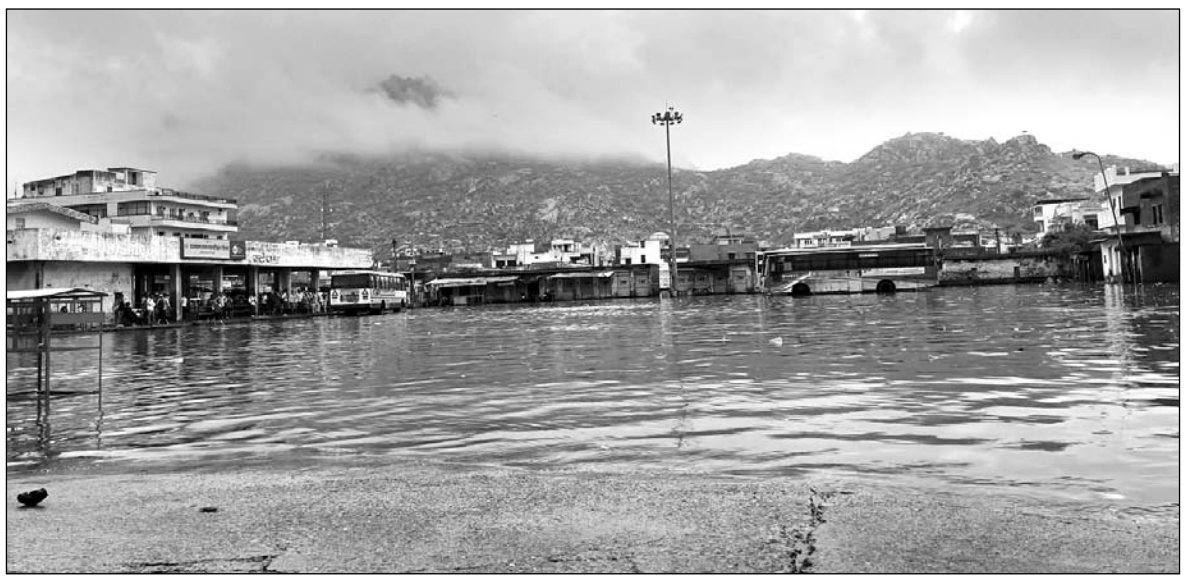

तेज बारिश के चलते पानी भर जाने से जालोर में नया बस स्टैण्ड तालाब में तब्दील नजर आया।

फ्लाइट में यात्री के पास बैग में दो जिंदा कारतूस मिले

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एयरपोर्ट पर जोधपुर से दिल्ली फ्लाइट में जाते समय एक यात्री के बैग में दो जिंदा कारतूस मिले। उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कारतूस लाइसेंससुदा है, मगर वह हरियाणा से वैलिड है। उसे गिरफ्तार किया गया है। अग्रिम जांच की जा रही है। वह भूल से बैग में कारतूस आना बता रहा है।

- **यात्री नरेश कुमर को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया**

एयरपोर्ट थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा ने बताया कि मामले को लेकर सीआईएफ की सबइंस्पेक्टर सवीना लांबा और मेहराम की तरफ से संयुक्त रिपोर्ट आर्म्स एक्ट में दी गई है। इनके अनुसार कल सुबह जोधपुर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट के समय यात्रियों के सामान की चैकिंग चल रही थी। तब होल्ड रैण्डम मशीन एक्सरे में एक यात्री के सामान के बैग में दो जिंदा कारतूस मिले, जिस पर यात्री हरियाणा के सोनीपत पत्ताबेरीर दइया निवासी नरेश कुमार पुत्र मुन्नी ओमप्रकाश ने पूछताछ में बताया कि कारतूस लाइसेंससुदा है, जिनकी वेलिडिटी 14 नवंबर 2026 तक है। दोनों जिंदा कारतूस 32 बोर के हैं। थानाधिकारी ताड़ा ने बताया कि यात्री नरेश कुमर को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ आम्र्स एक्ट में केस दर्ज किया गया है।

बंधक बनाकर विवाहिता से दुष्कर्म, मामला दर्ज

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। एक विवाहिता ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने, बीकानेर ले जाने और बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज करवाया है।

- **कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर विवाहिता को उठा ले गया था**
- **पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट कर उसका हाथ तोड़ दिया**
- **पीड़िता ने पीहर जाकर परिजनों को जानकारी दी**

थानाधिकारी जितेंद्र स्वामी ने बताया कि पीड़ित महिला का परिचित मांगीलाल नायक दोपहर में उसके घर पहुंचा। उस समय उसका पति मजदूरी के लिए बाहर गया हुआ था। आरोपी ने मौका देखकर उसे नशीला पदार्थ मिला हुआ कोल्ड ड्रिंक पिला दिया। उसे नशे की हालत में मोटरसाइकिल पर बैठाकर गावं से ले आया। गांव से आरोपी ने अपने साथी के साथ उसे बस से बीकानेर भेज दिया। आरोपी के दो साथियों ने पीड़िता को बीकानेर में एक घर में ले जाकर बंधक बना लिया। रात को करीब 12 बजे आरोपी वहां आया एवं पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर उसका हाथ तोड़ दिया। सोने, चांदी के गहने भी छीन लिए। 15 अगस्त को मौका मिलते ही पीड़िता उनके चंगुल से निकल कर भाग गई एवं अपने पीहर जाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। उसने परिजनों के साथ थाने पहुंच कर आरोपी एवं उसके दो साथियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

जोधपुर और पाली में झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले

शहर के साथ आसपास के गांवों में अच्छी बारिश से गर्मी से लोगों को राहत मिली

जोधपुर/पाली, (कासं)। प्रदेश में एक बार फिर मानसून सक्रिय हुआ है। लंबे अंतराल के बाद में जोधपुर संभाग के कुछ हिस्सों में गुरुवार दोपहर में झमाझम बारिश हुई। भाद्रपक्ष के कृष्ण पक्ष के 12 दिन बाद बादल बरसे तो लोग झूम उठे। झमाझम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत महसूस हुई। करीब पौने बारह बजे अचानक से घिर आई काली घटाओं ने तेज हवा के साथ बरसना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बारिश से शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गई। घरों में भी परनाले शुरू हो गये। बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के चेहरे पर रौनक ला दी। कई जगहों पर फसलें सूखने के कगार पर पहुंच गई थी।

मौसम विभाग ने की चेतावनी के अनुसार गुरूवार से प्रदेश में मानसून की सक्रिय की संभावना जताई गई थी। मारवाड़ यानी जोधपुर संभाग में भी गुरूवार को बारिश की गतिविधियां आरंभ होने की बात कही गई थी। प्रदेश सहित संभागभर में कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस का दौर बना हुआ था। लोग भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहे थे।

भादवा माह में मई-जून जैसी गर्मी का असर और उमस की मार चल रही थी। दोपहर में शहर के साथ आसपास के गांवों में अच्छी बारिश से लोगों के चेहरे खिल गए। विशेषकर किसानों के चेहरों पर रौनक छा गई। बारिश से लबालब हुई सड़कों से प्रशासन की पोल भी फिर से खुल गई। मौसम विभाग ने आगामी तीन घंटों में जोधपुर संभाग में कुछ स्थानों से मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी दी है। अचानक हुई तेज बारिश के चलते कई जातरूओं को परेशान होना पड़ा। कईयों को भंडारों में ही शरण लेनी पड़ी। साथ ही सड़कों पर पैदल चल रहे जातरू भी पेड़ों के नीचे खड़े होकर बचाव करते देखे गए। वहीं अनेक जातरू बारिश का आनंद लेते चलते रहे।

पाली जिले में बारिश का दौर शुरू :- पिछले सप्ताहभर से पड़ रही उमस वाली गर्मी से गुरुवार को 25 दिन बाद हुई रिमझिम बारिश करीब तीन-चार घंटे चलने से शहरवासियों ने राहत की सांस ली। इस बारिश से सड़कें भीग गई।पूरे जिले में गुरुवार को जमकर बारिश हुई। जहां रानी फालना में बुधवार दिन रात से बारिश हो रही है। वहीं गुरुवार सुबह सोजत सिटी में जमकर बारिश होने से सड़कों पर पानी बहने लगा। इसी प्रकार रोहट, पाली, देसूरी, सुमेरपुर में भी बारिश हुई, इससे मुरझा रही फसलों को भी जीवनदान मिला, वहीं दिनभर मौसम खुशनुमा बना रहा।

आकाशीय बिजली गिरने से मां-बेटे की मौत

बालोतरा, (निसं)। जिले के इंद्राणा गांव में गुरुवार सुबह करीब 9.30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से मां-बेटे की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि खेत में खड़ा पेड़ बीच में से चिर गया।

जानकारी के अनुसार, इंद्राणा निवासी रगाराम देवासी की पत्नी मंजू देवी (37) और बेटा सुनील (7) सुबह खेत में काम कर रहे थे। सुबह करीब आठ बजे से ही बारिश का दौर शुरू हो गया था। इसी बीच करीब 9.30 बजे बारिश तेज होने लगी तो मां-बेटा खेत की झोपड़ी के पास खड़े पेड़ के नीचे जाकर बैठ गए। इस दौरान मंजू देवी फोन पर बात कर रही थी। अचानक जोरदार गरज-चमक के साथ पेड़ पर बिजली गिरी और मां-बेटा इसकी चपेट में आ गए। उसी समय महिला का पति रगाराम किसी काम से पास के खेत में गया हुआ था। बिजली गिरते ही वह दौड़कर झोपड़ी के पास पहुंचा तो देखा कि पत्नी और बेटा पेड के नीचे बेसुध पड़े हैं और उनकी सांसें थम चुकी हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन, ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे।

निजी अस्पताल की दूसरी मंजिल से कूदी विवाहिता, मौत

निजी अस्पताल में सफाईकर्मी के तौर पर महिला लम्बे समय से कार्य कर रही थी

नागौर, (निसं)। निजी अस्पताल की दूसरी मंजिल से कूदकर विवाहिता ने कूदकर अपनी जान दे दी। मृतका का शव नागौर के जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी मे रखवाया गया है। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना अधिकारी वेदपाल शिवरान मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और पति सुनिल से जानकारी ली। निजी अस्पताल में सफाईकर्मी के तौर पर पूजा लम्बे समय से कार्य कर रही थी। अचानक दूसरी मंजिल से उसने छलांग लगा दी। दूसरी मंजिल पर अस्पताल की छत से पूजा खुद गई। घायल पूजा को राजकीय जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के इमरजेंसी रूम में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली थाना अधिकारी ने बताया कि निजी अस्पताल मे सफाई कर्मी के तौर पर विवाहिता पूजा अपने पति व बच्चों के साथ दूसरी मंजिल पर रहती थी। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल का मौका निरीक्षण करते हुए विवाहिता का कमरा सीज कर दिया है। मौके पर एफएसएल टीम और एमओबी टीम साक्ष्य जुटा रही है। वहीं मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की जा रही है और जांच चल रही है। वही निजी अस्पताल की डॉक्टर सुमन चौधरी का कहना है कि शिवम अस्पताल की दूसरी मंजिल से गिरने के बाद उसे अस्पताल लाया गया, जहां पर मृत घोषित कर दिया।

- **पति व बच्चों के साथ दूसरी मंजिल पर ही रहती थी**

कर्नल सोनाराम चौधरी की पार्थिव देह बाड़मेर पहुंची, पैतृक गांव में आज होगा अंतिम संस्कार

बाड़मेर, (कासं)। प्रदेश के कद्दावर नेता, पूर्व सांसद व विधायक रहे कर्नल सोनाराम चौधरी की पार्थिव देह गुरुवार को दिल्ली से बाड़मेर स्थित उनके आवास पहुंची। बुधवार को दिल्ली में अचानक तबीयत बिगड़ने से कर्नल सोनाराम चौधरी का निधन हो गया था। जिसके बाद गुरुवार को हवाई मार्ग से उनका पार्थिव शरीर उत्तरलाई एयरबेस पर लाया गया। वहां से सड़क मार्ग से होते हुए इसे बाड़मेर स्थित कर्नल चौधरी के आवास पर ले जाया गया, जहां उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसमूह उमड़ पड़ा। जैसे ही पार्थिव देह बाड़मेर पहुंची, कर्नल सोनाराम चौधरी अमर रहे के नारे गूंज उठे। इस दौरान कई नेताओं और व्यक्तियों ने भी कर्नल चौधरी को श्रद्धांजलि दी।

- **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समेत कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया**

दिल्ली से बाड़मेर-जैसलमेर के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल कर्नल सोनाराम चौधरी की पार्थिव देह के साथ बाड़मेर पहुंचे। बाड़मेर स्थित आवास पर स्वर्गीय कर्नल चौधरी का अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, विधायक हरीश चौधरी, विधायक आदूराम मेघवाल, अरुण चौधरी, विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी, विधायक रविंद्र सिंह भाटी समेत कई नेताओं ने पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर नमन किया और कर्नल सोनाराम चौधरी के पुत्र डॉ. रमन सहित शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। सभी ने कर्नल चौधरी के निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया और उनके योगदान को याद किया। कहा कि कर्नल चौधरी निधन से क्षेत्र में एक बड़ी राजनीतिक शून्यता पैदा हो गई है। जिसे भरना मुश्किल होगा। गुरुवार शाम 5 बजे के आसपास पार्थिव शरीर को जैसलमेर जिले में स्थित मोहनगढ़, कर्नल चौधरी के पैतृक गांव के लिए बाड़मेर से सड़क मार्ग से ले जाया गया। वहां पर अंतिम दर्शन के लिए शव को रखा जाएगा और शुक्रवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, आरएलपी सुप्रीमों व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल समेत कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने बाड़मेर- जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि बाड़मेर-जैसलमेर के पूर्व सांसद और कद्दावर किसान नेता कर्नल सोनाराम चौधरी का दिल्ली में बुधवार रात्रि को निधन हो गया था। कर्नल मूलत : जैसलमेर जिले के मोहनगढ के रहने वाले थे। कर्नल सोनाराम चौधरी चार बार सांसद और एक बार बायतु विधायक रह चुके थे। कर्नल के परिवार में उनकी पत्नी विमला चौधरी और एक पुत्र डॉ. रमन चौधरी है।

कर्नल सोनाराम चौधरी को कई नेताओं और व्यक्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

हाइटेंशन लाइन टूटने से पांच लोग झुलसे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में खाने की एक होटल में हाइटेंशन लाइन टूटने से पांच लोग झुलस गए। झुलसे लोगो में एक होटल मालिक तथा चार कर्मचारी हैं। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र की मिलकमैन कॉलोनी की है। चार मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में भर्ती है। एक घायल को उसके परिजन प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए।

- **झुलसे लोगें में एक होटल मालिक तथा चार कर्मचारी हैं**

झुलसे लोगों में भारत, महेंद्र, चंद्र कुमार, बदन सोलंकी भोजनालय के कर्मचारी है। प्रकाश सोलंकी होटल मालिक है।

मथुरादास माथुर हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर विकास राजपुरोहित ने बताया कि चार घायलों को का इलाज चल रहा है। एक घायल को परिजन प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए। चार घायलों की स्थिति सामान्य है। हादसे के बाद खाने की होटल में अफरा तफरी मच गई।

डिस्कॉम अधिकारियों ने बताया कि कई बार बारिश के दौरान हाइटेंशन लाइन में पंचर हो जाता है। इसके चलते तार करंट ज्यादा खींचने लगता है और पिघलकर टूट जाता है। प्रारंभिक पड़ताल में संभवत इसी वजह से हादसा होना सामने आया है। हादसे के कारणों की जांच की जाएगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 1434-42 Date: 13.08.2025
Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 05/2025-26) for "Temporary Flood Restoration Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 25.08.2025. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 87.62 lacs.
NIB No. PWD2526A2605
1. PWD2526WSRC09651
2. PWD2526WSRC09653
(Lalit Kumar Meena) Executive Engineer PWD Division Hindaun
DIPR/C/11930/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोंक
क्रमांकः 2225-2301 दिनांकः 11/08/2025
निविदा सूचना संख्या : 11/2025-26 खण्ड टोंक
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड टोंक में सडक निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB UBN No.:- PWD2526A2546
1. PWD2526 WSRC09440, 2. PWD2526WSRC09441, 3. PWD2526 WSRC09442
4. PWD2526WSRC09443, 5. PWD252 6WSRC09444
अधिशासी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोंक
DIPR/C/11776/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड सांगोद (जिला कोटा)
क्रमांकः - 1122 दिनांक : 11.08.2025
निविदा सूचना संख्या 10/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए, बी, सी, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई- टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan. gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
(UBN NO.PWD2526WSOB09460), (UBN NO.PWD2526WSOB09461)
(UBN NO.PWD2526WSOB09462), (UBN NO.PWD2526WSOB09465)
(UBN NO.PWD2526WSOB09466), (UBN NO.PWD2526WSOB09467)
(UBN NO.PWD2526WSOB09468), (UBN NO.PWD2526WSOB09469)
(दिनेश कुमार धाकड़) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड सांगोद
DIPR/C/11786/2025

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
क्रमांक : न.पा.रा./2025/731-733 दिनांक 20.08.2025
ई-निविदा सूचना 10/2025-26
नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 22.08.2025 से 06.09.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 22.08.2025 से 06.09.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 08.09.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 08.09.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A4845	DLB2526WSOB5007

राज.संवाद/सी/25/8467 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय मेला प्रकोष्ठ नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल कोटा
email : nnksouth@gmail.com,websites : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांकः- ननिको/उत्तर/दक्षिण/मेला प्रकोष्ठ/2025/19-34 दिनांक :-19.08.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा ई-निविदा (E-Tendering) के माध्यम से इच्छुक अनुभवी आयोजको से 132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 के अवसर पर आयोजित होने वाले निम्नांकित कुल 09 कार्यक्रमो हेतु कुल राशि 186.00 लाख रूपये के लिये ऑन-लाईन निविदायें दिनांक 21.08.2025 से दिनांक 30.08.2025 तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक अनुभवी आयोजक निविदा से सम्बंधित निविदा प्रपत्र, तकनिकी बिड प्रपत्र, निविदा की शर्तें वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://kotamcsouth.org.com से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदाओं को इसी वेबसाईट पर ऑनलाईन भरी/देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाखो में)
1	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 30 अक्टूबर 2025 को आशापुरा माताजी भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	3.00
2	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को सिन्धी कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	4.00
3	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को मुख्य भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	10.00
4	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को सिने संध्या स्टार नाईट कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य। (मय टेक राईडर)	85.00
5	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को पंजाबी कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	22.00
6	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को भोजपुरी कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	16.00
7	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 06 अक्टूबर 2025 को एक शाम शहीदो के नाम कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	22.00
8	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को मोटीवेशन कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	11.00
9	132वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा 2025 में दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को लाफ्टर शॉ कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य।	13.00

NIB Code No. DLB2526A4848
UBN No. DLB2526SSOB15011 UBN No. DLB2526SSOB15012
UBN No. DLB2526SSOB15013 UBN No. DLB2526SLOB15014
UBN No. DLB2526SLOB15015 UBN No. DLB2526SLOB15016
UBN No. DLB2526SLOB15017 UBN No. DLB2526SLOB15018
UBN No. DLB2526SLOB15019
आयुक्त एवं मेला अधिकारी नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/8530

कार्यालय नगर पालिका भाण्डारेज जिला दौसा
दिनांकः- 19.08.2025
निविदा सूचना संख्याः-2025-26/15
नगर पालिका भाण्डारेज द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाऐं निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। निविदा में सम्बन्धित विवरण, कार्य, योग्यता, शर्तों की समस्त जानकारी कार्यालय एवं वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in से ऑनलाईन पर दिनांक 05.07.2025 से देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
जिसका NIB Code DLB2526A4810 है।

क्र.सं.	निविदा के कुल कार्यों की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	ऑनलाईन की निविदा विक्रय/डाउनलोड/अप लोड करने की दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क आदि दस्तावेज भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की तकनीकी बिड खोलने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की वित्तिय बिड खोलने की दिनांक व समय
1	02	19.08.2025 दोपहर 02:00 बजे	19.08. दोपहर 02:00 बजे से प्रातः 28.08.2025 सायं 06:00 बजे तक	29.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक।	29.08.2025 दोपहर 02:00 पश्चात्।	Later to be Intimated Techanical Qualified Bidder

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका भाण्डारेज
राज.संवाद/सी/25/8557

कार्यालय नगरपालिका महवा (दौसा) राज0
EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन न.- 07461 284005
क्रमांक-नपाम/2025-26/392 दिनांक- 18.08.2025
-: निविदा आमंत्रण सूचना :-
नगर पालिका महवा द्वारा Fixing of Inter Locking Tiles At Govt. Girls Sen. Sec. School, Mahwa की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन न. (DLB2526WSRC12383) है। निविदा सूचना एवं शर्तें राजस्थान उपापन पोर्टल की बेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproce.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/8554 अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका महवा

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)
क्रमांकः- न.पा.ब./2025-26/468 दिनांक :- 20.08.2025
:: E- Notice Inviting Bid ::
Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (01) Date 20.08.2025 invited form interested bidders Date 03.09.2025 Upto 6:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.
UBN CODE :- DLB2526WSOB14980
Executive officer Nagar palika Bagru
Raj.Samwad/C/25/8464

Office of District Project Coordinator Smsa Karauli
Keshavpura puliya Mandryal Road Karauli -E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com
File No. :- 802 Date :- 20/08/2025
Notice Invited Bid
Bids for Dual desk Furniture in Swami Vivekanand Govt. model school are invited from 20/08/2025 6PM, interested bidder upto 6 PM 29/08/2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. The apporximate value of the procurement is Rs. 2000000. UBN NORSE2526GLRC00579
Raj.Samwad/C/25/8517 ADPC SMSA, KARAULI

Office of District Project Coordinator Smsa Karauli
Keshavpura puliya Mandryal Road Karauli -E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com
File No. :- 805 Date :- 20/08/2025
Notice Invited Bid
Bids for Support Staff Caretaker and Cleaners for Running Bal Vatika in Mahatma Gandhi Govt Schools are invited from 20/08/2025 6 PM, interested bidder up to 6 PM 29/08/2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. The apporximate value of the procurement is Rs. 3750000. UBN NO-RSE2526SL0B00581
Raj.Samwad/C/25/8516 ADPC SMSA, KARAULI

JKK जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
कार्यालय महानिदेशक
क्रमांक :- प.3( )जकके/सी.सी.टी.वी. सिस्टम कार्य/2025-26/715 दिनांक :- 18/08/2025
जवाहर कला केन्द्र जवाहर कला केन्द्र में स्थापित सी.सी.टी.वी. सिस्टम के वार्षिक कॉम्प्रेहेंसिव अनुरक्षण का कार्य हेतु खुली-निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्तें https://sppp.rajasthan.gov.in or jkk.artandculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB No. JKK2526A0025
UBN NO.JKK2526SSOB00025
राज.संवाद/सी/25/8515 अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशा.)

कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली - बूंदी
(कृषि विश्वविद्यालय, कोटा), P.O. Hindoli, Distt. Bundi (Rajasthan) 323023, Email: deancoahindoli2021@gmail.com, Mobile: 9414539008
एफ. :- एफ.13( )/कृविको/कृमविहि/टेण्डर/2025/945 - 50 दिनांक :- 19/08/2025
ई-बोली सूचना संख्या - 2025-26/01
कृषि महाविद्यालय हिण्डोली - बून्दी में लेबोरेट्री उपकरण एवं यंत्रो की आपूर्ति हेतु इच्छुक बोलीदाता/संवेदको से ऑनलाईन बोलियां आमंत्रित की जाती है। बोलियों से संबंधित अन्य विवरण कृषि विश्वविद्यालय कोटा की वेबसाइट http://aukota.org, राजस्थान स्टेट पोर्टल की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। बोलियां ई प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निर्धारित समय तक वेबसाईट पर भरी जा सकेगी। NIB AUK2526A0046, UBN AUK2526GLOB00049
राज.संवाद/सी/25/8509 अधिष्ठाता

जे.एल.एन. रोड पर महात्मा गांधी सर्किल पर लगे 4 फाउंटेन भी लंबे समय से बंद

राजधानी जयपुर के इस वीवीआईपी रूट से रोजाना मंत्रियों, अधिकारियों और मेहमानों का आना-जाना लगा रहता है

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर निगम प्रशासन की लापरवाही और उद्यान शाखा के अफसरों की चहेते ठेकेदारों पर मेहरबानी के कारण राजधानी जयपुर में वी.वी.आई.पी. जवाहरलाल नेहरू रोड स्थित महात्मा गांधी सर्किल पर लगे चारों फव्वारे लंबे समय से बंद पड़े हुए हैं। यही हाल 39 पार्कों में लगे 42 फव्वारों में से अधिकांश का है। इतना होने के बावजूद भी निगम प्रशासन ठेकेदार के काम की जांच करवाने को तैयार नहीं है। यहां तक फर्म को ना तो कभी नोटिस दिया और ना कोई एक्शन लिया। उल्टा भुगतान के लिए बिल भी पास कर दिया।

हैरानी की बात यह है कि, जेएलएन रोड, राजधानी जयपुर का वीवीआईपी रूट है। यहां से रोजाना मंत्रियों, अधिकारियों और मेहमानों का आना-जाना होता है। परंतु राजधानी की शोभा बढ़ाने वाले ये फव्वारे रखरखाव के अभाव में आज सिर्फ सजावटी ढांचे बनकर रह गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक ठोटर निगम की उद्यान शाखा द्वारा शहर के 39 पार्कों में लगाए गए करीब 42 फव्वारे

जवाहर लाल नेहरू रोड स्थित महात्मा गांधी सर्किल पर लगे चारों फव्वारे लंबे समय से बंद पड़े है।

में से अधिकांश धूल फांक रहे है। पहले तो करोडों रुपये खर्च कर इन पार्कों को आधुनिक बनाने और बच्चों को मनोरंजन की सुविधाएँ देने का दावा किया गया था, पर निगम के अफसरों और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण इनकी दुर्दशा हो रही है।

सूत्रों के मुताबिक, निगम प्रशासन ने फव्वारों के रखरखाव का ठेका गत वर्ष मैसर्स हजारीलाल जसवाल को 70-80 लाख रुपये में दिया था। परंतु ठेकेदार ने वीवीआईपी रूट जे.एल.एन रोड की भी सुध नहीं ली। अन्य पार्कों के फाउंटेन भी उजाड़ कर रख दिया। इस गंभीर लापरवाही के बावजूद निगम प्रशासन ने न तो ठेकेदार को नोटिस दिया और न ही तकनीकी जांच कराई। इसके विपरीत, अब इस फर्म को पूरा भुगतान करने की तैयारी चल रही है। जबकि इस फर्म को मालवीय नगर जोन में 14, मानसरोवर में 6, सांगानेर में 2, जगतपुरा में 1, झोटवाड़ा में 4, मुरलीपुरा में 9 तथा विद्याधर नगर के 3 पार्कों में फव्वारे का रखरखाव और संचालन करना था। सूत्रों के मुताबिक

- **यही हाल ठोटर निगम के 39 पार्क में लगे 42 फव्वारों में से अधिकांश का है इस धांधली के उजागर होने बावजूद भी उद्यान शाखा, ठेकेदार के काम की जांच करवाने और उसे नोटिस देने को तैयार नहीं है उल्टा भुगतान के लिए बिल भी पास कर दिया**

हैरिटेज नगर निगम ने भी वर्ष 2023 और 2024 में करीब 3 करोड़ से ज्यादा की रकम सभी जोन के पार्कों और जय निवास उद्यान में फाउंटेन के रख रखाव पर खर्च कर डाले। परंतु वहां भी यह ठेका लेने वाली फर्म ने कोई विशेष कार्य नहीं किया। इस कारण वहां भी अधिकांश फव्वारे बंद पड़े हैं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से की भेंट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान राजस्थान में महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में दीया कुमारी ने केंद्रीय मंत्री से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र से अनुदान राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा सहयोगिनियों के मानदेय में बढ़ोतरी की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि वे और अधिक समर्पण के साथ अपना कार्य कर सकें।उपमुख्यमंत्री ने राज्य में बाल विकास सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए नए सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना अधिकारी) कार्यालयों की स्वीकृति कराने का आग्रह किया।

''निराश्रित गोवंश मुक्त भारत अभियान''की मुख्य सचिव ने की सराहना

जयपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं गौ-संवर्धन के क्षेत्र में युगांतकारी कार्य कर रही संस्था ''टीम गौमाया'' की अद्वितीय पहल को आज एक और प्रखर संबल प्राप्त हुआ। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने टीम गौमाया के ''निराश्रित गोवंश मुक्त भारत अभियान'' की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और इस पुनीत कार्य में शासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन प्रदान किया।

यह भेंटवार्ता हाल ही में मुख्य सचिव द्वारा प्रदेश के समस्त जिला कलेक्टरों को निराश्रित गोवंश के संबंध में जारी किए गए निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में हुई। इस अवसर पर ''गोमय परिवार अंशदानी फाउंडेशन'' के संस्थापक, डॉ. सीताराम गुप्ता ने मुख्य सचिव के समक्ष अभियान की विस्तारपूर्वक रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी दौरान उन्होंने अपनी गोसंवर्धन पर लिखित एक अनूठी पुस्तक भी मुख्य सचिव को ससम्मान भेंट की। इस पुस्तक की विश्वव्यापी विशेषता यह है कि यह भारतीय नस्ल की गाय के गोबर से बने कागज पर मुद्रित दुनिया की पहली पुस्तक है, जिसे वर्ष 2022 में अमेज़न बेस्ट सेलर के सम्मान से भी अलंकृत किया जा चुका है।

इस गरिमामय अवसर पर अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ( ) के राष्ट्रिय उपाध्यक्ष तथा प्रख्यात समाजसेवी सुरेश पाटोदिया ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने इस अभियान को 'युग की मांग' निरूपित करते हुए इसके सफलतम क्रियान्वयन हेतु अपना पूर्ण समर्पण, संरक्षण एवं सहयोग देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

3 हजार 200 करोड़ रुपये स्वीकृत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में हर बच्चे को सुलभ, आधुनिक और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शिक्षा के उन्नयन, विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से केन्द्र सरकार ने समठा शिक्षा, राजस्थान के लिए 3 हजार 200 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।शर्मा द्वारा हाल ही में नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मुलाकात के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में समठा शिक्षा, राजस्थान के लिए केन्द्रीय अंश की राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया गया था। इस संबंध में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने समठा शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 3 हजार 200 करोड़ रुपये राज्य को देने के लिए सहमति प्रदान की है, साथ ही, इस राशि की प्रथम किस्त शीघ्र जारी करने का आश्वासन भी दिया है। मुलाकात के दौरान शर्मा ने समठा शिक्षा के तहत राज्य में शिक्षा विभाग की प्रगति, नीति एवं भविष्य में किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में भी केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को जानकारी दी।

बरी होने से पूर्व न्यायिक अभिरक्षा में काटी अवधि का वेतन और परिलाभ देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोप में कांस्टेबल के दो साल जेल में बंद रहने के बाद बरी होने के मामले में राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह कांस्टेबल को इस अवधि का वेतन और समस्त परिलाभ अदा करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने इस अवधि को याचिकाकर्ता का अवैतनिक अवकाश मानने के विभाग के आदेश को रद्द कर दिया है।

जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश हरभजन सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील समदडिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता कांस्टेबल को 21 अगस्त, 2000 को दुष्कर्म व एससी,एसटी एक्ट के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया। वहीं सक्षम अधिकारी ने उसी दिन उसे निलंबित कर दिया।

वहीं अप्रैल, 2021 में उसके खिलाफ आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच भी आरंभ की गई। दूसरी ओर मामले में पुलिस की ओर से आरोप पत्र पेश करने के बाद ट्रायल कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनकर याचिकाकर्ता को एक अगस्त, 2002 को याचिकाकर्ता को दोषमुक्त कर दिया। इसी आधार पर विभाग ने 11 सितंबर, 2002 को उसका निलंबन भी रद्द कर दिया।

फिल्म निर्देशक फरहान अखतर को दिया कानूनी नोटिस

जयपुर। एजेएफ अहीर जनजागृति फाउंडेशन के द्वारा फिल्म 120 बहादुर में अहिर समाज के वीरों की शहादत को नजर अंदाज करने पर फिल्म के निर्देशक फरहान अखतर को शहादत का अपमान करने के लिए कानूनी नोटिस दिया गया है। अहीर जनजागृति फाउंडेशन की राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव मंजु यादव ने बताया कि 18 नवबंर 1962 को माइनस 10 डिठी तापमान में दीपावली की रात भारत-चीन युद्ध में 120 वीर अहीरों की टुकडी चूसूल घाटी में तैनात थी। जैसे ही सेना मुख्यालय द्वारा चीनी सेना के हमले की सूचना पोस्ट कर कहा गया कि आप लोग अपनी जान बचाने के लिए स्वेच्छा से पोस्ट से पिछे हट सकते है।

इसके बाद 120 वीर अहिरों ने मेजर शैतान सिंह को अपने सामूहिक फैसले से अवगत करवाया की वो पोस्ट से पीछे नहीं हटेंगे और युद्ध लड़ेगे। जब युद्ध लड़ते-लड़ते असला गोला बारूद खत्म होने के पश्चात् वीर अहिरों ने अपनी जान की परवाह किये बिना चीनी सैनिको को बन्दूको के बटों से चाकूओं से चट्टानों से भिड़ाकर व अपनी भुजाओं का पराक्रम दिखाते हुए 1300 से अधिक चीनी सैनिकों को मार गिराया। इस युद्ध में 120 में से 114 वीर अहिर सपूत वीर गति को प्राप्त हुए। भारतीय सेना की इस टुकडी के अदभ्य साहस को देखकर चीनी सेना द्वारा ब्रेवहर आफ द ब्रेव अहीर नाम से नवाजा गया। दूसरी तरफ फिल्म निर्देशक फरहान अख्तार की कंपनी ऐक्सेल इन्टरटेन्मेंट प्रा. लिमिटेड के बेनर तले बन रही फिल्म 120 बहादुरों में सेना के आधिकारिक रिकॉर्ड से परे युद्ध की सच्चाई को छुपाकर तोड़ मरोड़ कर फिल्म बनाई जा रही है। जो वीर शहिदों का अपमान है।

अहीर जनजागृति फाउंडेशन (एजेएफ) की मांग है कि फिल्म 120 बहादुर रिलीज से पहले समाज के प्रबुद्ध जनों के सामने फिल्म की स्क्रीनिंग की जाएं तथा सेना के रिकॉर्ड में दर्ज इस युद्ध के तथ्यों को निर्देशक फरहान अख्तर पुष्टि करके अपनी फिल्म में बदलाव करके 6 विश्व की महानतम लड़ाइयों में से एक के वीर शहिदों को सम्मान स्वरूप सच्ची श्रद्धांजलि देवे तथा सेना के रिकॉर्ड से 120 वीर शहिदों के फ़ोटो फिल्म की शुरूआत में वर्णन नाम सहित दिखाये जाये।

इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष श्रवण यादव, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विपिन यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राव तेजवीर यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजीत यादव, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश यादव, सरपंच सूरज यादव, संरक्षक बालू राम यादव सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

यूज़र चार्ज के विरोध में 247 मंडियों के 2000 व्यापारी एकजुट, प्रदेशभर में व्यापार ठप

जयपुर। यूज़र चार्ज के विरोध में प्रदेशभर के व्यापारियों ने आज जोरदार विरोध दर्ज कराया। जयपुर खाद्य पदार्थ एवं व्यापार संघ, राजस्थान व्यापार संघ तथा किराना, तेल, पशुआहार, मसाला आदि विभिन्न व्यापारिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में कूकरखेड़ा मंडी परिसर में एक बड़ी बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में राजस्थान की 247 मंडियों से जुड़े लगभग 2000 व्यापारी शामिल हुए और राज्य सरकार द्वारा लगाए गए यूज़र चार्ज को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की।

बैठक का नेतृत्व राजस्थान खाद्य पदार्थ एवं व्यापार संघ के अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश चंद्र अठावाल, किराना व्यापार संघ के कैलाश चंद्र अटोलिया, सूरजपोल अध्यक्ष केदारनाथ अठावाल, दाल मिल अध्यक्ष पवन अठावाल तथा राजस्थान संघ के मंत्री लक्ष्मीनारायण डंगायच सहित अनेक व्यापारियों ने किया। जयपुर खाद्य पदार्थ एवं व्यापार

विभिन्न व्यापारिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में कूकरखेड़ा मंडी परिसर में बैठक आयोजित हुई।

संघ कूकरखेड़ा के पदाधिकारियों - रामचरण नाटानी (अध्यक्ष), अविनाश जैन (मंत्री), घासीराम अठावाल (उपाध्यक्ष), नितिन बटवाडा (उपाध्यक्ष), सतीश पापड़ीवाल (सहमंत्री) एवं सुशील अठावाल (सहमंत्री) उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने कृषि कल्याण टैक्स और आयातित माल पर मंडी टैक्स का भी विरोध किया। उनका कहना है कि सरकार द्वारा मंडी के अंदर व्यापार करने वाले लाइसेंसधारी व्यापारियों पर यूजर चार्ज लागू करना अनुचित है, जबकि मंडी के बाहर व्यापार करने वालों को इससे छूट दी गई है। इससे प्रदेशभर में व्यापार ठप हो गया है और किसान-व्यापारी दोनों में आक्रोश व्याप्त है।

आदेश के अनुसार अब मंडी एवं उप-मंडी यार्डों के भीतर गैर-अधिसूचित कृषि उपज एवं खाद्य पदार्थों पर प्रति 100 रुपये के लेन-देन पर 50 पैसे यूजर चार्ज देना होगा। इस शुल्क से केवल शक्कर को बाहर रखा गया है, जबकि दाल, चावल, आटा, मैदा, सूजी, तिलहन, खाद्य तेल, ड्राई फ्रूट्स समेत अधिकांश खाद्य वस्तुएँ इसके दायरे में लाई गई हैं।

- **बैठक में राजस्थान की 247 मंडियों से जुड़े लगभग 2000 व्यापारी, यूज़र चार्ज को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग**

व्यापारियों ने इसे नियमों में भेदभाव बताते हुए सरकार पर बड़े मॉल्स और बाहरी व्यापारी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि यह निर्णय वापस नहीं लिया गया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा।

इग्नू अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

जयपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की ओर से गुरुवार को एपीजे अब्दुल कलाम राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापोल, जयपुर में इग्नू अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र जयपुर की सीनियर रीजनल डायरेक्टर डॉ. ममता भाटिया, विशिष्ट अतिथि असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ. राममूर्ति मीणा तथा इग्नू काउंसलर डॉ. राम भजन कुमावत उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत पारीक ने अतिथियों का स्वागत किया और छात्राओं को इस अवसर पर अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. ममता भाटिया ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार विद्यार्थी एक साथ एक से अधिक डिठी, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कर सकते हैं। ऐसे में इग्नू द्वारा उपलब्ध कराए गए पाठ्यक्रम अत्यंत प्रासंगिक हैं, जिनमें परीक्षा केंद्र चुनने की स्वतंत्रता पूरे भारत में उपलब्ध है। डॉ. राममूर्ति मीणा ने इग्नू के उद्देश्यों, वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विविध पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

70 दिन से चल रही पीडब्ल्यूडी संवेदकों की हड़ताल समाप्त

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों से गुरूवार को पीडब्ल्यूडी संवेदकों द्वारा लगभग 70 दिन से जारी हड़ताल समाप्त हो गई। आपसी सहमती से तैयार किए गये समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के बाद संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सरकार एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार जताया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि हमारी सरकार राजस्थान के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। हमने संवेदकों द्वारा उठाई गई मांगो पर सकारात्मक चर्चा करके उनके सकारात्मक समाधान के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि विकास को प्राथमिक लक्ष्य रखकर हम सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखकर आगे बढ रहे हैं।

इससे पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता के कक्ष में संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर उन्हें समझौता पत्र सौंपा । पदाधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्यों की निविदाओं में जीएसटी को अलग कर निविदाएं आमंत्रित करने, सीमेंट कंकरीट सड़क निर्माण कार्यों में पीक्यूसी की मोटाई 20 सेमी तक के कार्यों के लिए डीएलपी (गारंटी अवधि) 5 वर्ष रखने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर सहमति बन गई है।इसके साथ ही अन्य बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं जिसमे संवेदकों के दो प्रतिनिधि एवं विभाग के अधिकारी शामिल होंगे ।

उन्होंने कहा कि हम सरकार की इस सकारात्मक पहल का स्वागत करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि प्रदेश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर सरकार का सहयोग करेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से मुख्यमंत्री शर्मा की मुलाकात

देवनानी ने भी मुख्यमंत्री शर्मा का भारत के चक्रवर्ती सम्राट पुस्तक भेंट कर अभिनन्दन किया।

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को यहां सिविल लाइन स्थित उनके राजकीय निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुलाकात की। देवनानी और शर्मा की यह मुलाकात लगभग 1 घंटे 10 मिनट की रही।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोलहवीं विधानसभा के चतुर्थ सत्र से संबंधित विभिन्न विधायी कार्यों और राज्य से संबंधित विकास योजनाओं के बारे में चर्चा की। यह मुलाकात सत्र से पहले परंपरा अनुसार शिष्टाचार भेंट थी।

मुख्यमंत्री शर्मा ने देवनानी को दुपट्टा पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी ने भी मुख्यमंत्री शर्मा का दुपट्टा पहनाकर, पुष्प गुच्छ और भारत के चक्रवर्ती सम्राट पुस्तक भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने शर्मा को अयोध्या के राम मंदिर का प्रसाद ठाहण कराया।

प्रदेश में स्थापित होगी 'लैंग्वेज लैब'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि युवाओं को सही दिशा देकर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकता है। साथ ही, युवाओं को सशक्त बनाकर ही विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा।

इसी दिशा में राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश में इंग्लिश एण्ड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी और केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा 'लैंग्वेज लैब' स्थापित की जाएगी।

लैंग्वेज लैब में युवाओं को अंठोजी, फ्रेंच, स्पैनिश, जापानीज जैसी विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे इन भाषाओं में पारंगत बन सकें और उनके लिए विदेशों में रोजगार की राह प्रशस्त हो सके।

लैंग्वेज लैब में युवाओं को मिलने वाले विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण से उनके कौशल में बढ़ौतरी होगी। यह पहल युवाओं को विदेशों के साथ ही देश में भी पर्यटन, व्यापार, आईटी, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में कारगर साबित होगी।

सरकार 9-10 दिसंबर को राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 आयोजित करेगी

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार 9-10 दिसंबर को राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन करेगी। दो दिवसीय कॉन्क्लेव के दौरान 10 दिसंबर को पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस भी आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अनुवर्ती कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा यह साझेदारी सम्मेलन, विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक औद्योगिक गठबंधनों और साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। यह प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय संगठनों के साथ राजस्थान की साझेदारियों को भी सुदृढ़ करेगा। पिछले वर्ष आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हस्ताक्षरित निवेश प्रस्तावों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

सम्मेलन के दौरान राजस्थान की अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों और नए निवेश के उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। सम्मेलन के दौरान युवा एवं महिला तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, ऊर्जा एवं उद्योग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित कई विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। साझेदारी सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए निवेशक रोड शो की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी। इनमें दिल्ली, हैदराबाद, सूरत और कोलकाता में राष्ट्रीय रोड शो के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात में एक अंतर्राष्ट्रीय रोड शो भी शामिल है।

- **पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्थानों पर निवेशक रोड शो आयोजित किए जाएँगे**

पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले, राजस्थान के विकास में खनन एवं पेट्रोलियम तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों की भूमिका पर प्रकाश डालने वाले पूर्व-शिखर सम्मेलन भी आयोजित किए जाएँगे।जैसा कि मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष आयोजित वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान घोषणा की थी, पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस 10 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा।

यह समारोह न केवल प्रवासी राजस्थानी समुदाय को एक साथ आने और अपनी साझा पहचान का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटने और राज्य के समठा विकास में निवेश करने का एक मंच भी प्रदान करेगा। एक दिवसीय प्रवासी दिवस में आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल आदि राज्यों के प्रवासी वक्ता शामिल होंगे और दो विषयगत सत्र भी आयोजित किए जाएँगे। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रवासी समुदाय द्वारा अर्जित प्रसिद्धि का सम्मान करते हुए और राजस्थान के विकास में उनके योगदान का जश्न मनाते हुए, सरकार प्रमुख प्रतिभागियों को प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार ( ) भी प्रदान करेगी। यह पुरस्कार व्यवसाय, विज्ञान, कला, उद्योग, परोपकार, समाज सेवा, संगीत और अन्य क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए भी प्रतिभागियों को प्रदान किया जाएगा।

खरीदी गई जमीन पर की जा रही बाउण्ड्री वॉल गिराया

उदयपुर। खरीदी गई जमीन पर बनाई जा रही बाउण्ड्री वॉल को जमीन के पीछे के अन्य जमीन मालिकों ने रास्ते की मांग को गिराने का मामला सामने आया है। मदनलाल पुत्र मोतीलाल डांगी निवासी घासा ने रिपोर्ट दी कि मैने ग्राम पंचायत बिठोली में रामचन्द्र पुत्र हिरालाल ब्राम्हाण निवासी विठोली से जमीन खरीदी थी। हमने हमारी जमीन पर बाउंड्री का काम शुरू किया। जिसका काम 5-6 दिन से चल रहा था। 19 अगस्त शाम को लखा पुत्र अमरा, भैरू , देवीलाल पुत्र नारू, उंकार पुत्र नारूलाल निवासी तुरकिया व दो अन्य आए और मजदूरों को काम करने से रोक दिया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के संयुक्त जनरल मैनेजर पर 25 हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश की पालना नहीं करने को गंभीर मांगा है। अदालत ने कहा कि कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं करना चलन बन चुका है। इसके चलते हाईकोर्ट में सैकड़ों अवमानना याचिकाएं भी लंबित चल रहे हैं। यदि इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आम जनता का न्यायालय और लोकतांत्रिक ढांचे से विश्वास उठ जायेगा। इसके साथ ही अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त मैनेजर-एचआर पर अधिकरण की ओर से लगाई गई पांच हजार रुपए की हर्जाना राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपए करते हुए इसकी कटौती उसके वेतन से करने को कहा है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जानबूझकर मामलों को मुकदमेबाजी के दूसरे राउंड में खींचा।

जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त जनरल मैनेजर-एचआर एस सूर्यनारायण व अन्य की याचिका को खारिज करते हुए दिए। मामले से जुड़े अधिवक्ता अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि अधिकरण ने अपीलार्थी फाइनेंस मैनेजर राहुल विजय के ट्रांसफर मामले में स्पीकिंग आर्डर पारित नहीं करने पर अथॉरिटी के संयुक्त जनरल मैनेजर पर पांच हजार रुपए का हर्जाना लगाया था। इस आदेश की पालना करने की बजाय संयुक्त जनरल मैनेजर व अन्य ने इसे हाईकोर्ट की खंडपीठ में चुनौती दी। खंडपीठ ने मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने के लिए कहा। इस पर याचिकाकर्ता ने अदालत में पेश होकर माफी मांगी। वहीं अदालत ने हर्जाना राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया।

स्कूल जाती नाबालिग से छेड़छाड

जयपुर। सदर थाना इलाके में एक नाबालिग स्कूली छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मनचले की अश्लील टिप्पणी से परेशान छात्रा ने स्कूल जाना बंद दिया। जानकारी मिलने के बाद भाई ने मनचले का विरोध किया तो मनचले आशिक ने पीड़िता के घर पर पत्थर फेंके। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर नाबालिग पीड़िता ने इस मामले में पुलिस की मदद ली और थाने पहुंच आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया। बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज।

नागौर में ट्रेलर और क्रूजर गाड़ी की आमने-सामने भिड़ंत, 15 यात्री घायल

12 को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, 4 की हालत गंभीर होने पर जोधपुर-अजमेर रेफर किया

नागौर, (निसं)। नागौर में जोधपुर रोड पर फागली फांटे के पास सवारियों से भरी क्रूजर गाड़ी और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रूजर गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलने पर नागौर कोतवाली थाने के थानाधिकारी वेदपाल शिवरान जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को 108 एम्बुलेंस और निजी वाहनों के जरिए जेएलएन जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर हाइवे का जाम खुलवाया। दुर्घटना में 15 लोग घायल हुए। इनमें से 12 को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इसमें 4 की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर (जोधपुर-अजमेर) रेफर कर दिया गया।

कोतवाल वेदपाल शिवरान ने बताया कि नागौर फागली गांव के पास गुरुवार दोपहर एक ट्रेलर और क्रूजर गाड़ी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में करीब 15 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को नागौर के जेएलएन जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया और 4 गंभीर घायलों को हायर सेंटर गया। सभी घायल मध्य प्रदेश के धरमपुरी जिले के निवासी हैं और दर्शन करने के लिए जैसलमेर के रुणीचा स्थित रामदेवरा आए थे, इसके बाद खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान नागौर फागली गांव की पुलिया के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से क्रूजर की टक्कर हो गई।

- **सभी घायल मध्य प्रदेश के धरमपुरी जिले के निवासी हैं और दर्शन करने के लिए रामदेवरा आए थे, इसके बाद खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे**

कोतवाल वेदपाल शिवरान ने बताया कि हादसे में सभी घायल मध्य प्रदेश के धरमपुरी जिले के निवासी हैं और दर्शन करने के लिए जैसलमेर के रुणीचा स्थित रामदेवरा आए थे। इसके बाद खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान नागौर फागली गांव की पुलिया के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से क्रूजर की टक्कर हो गई

कोतवाल वेदपाल शिवरान ने बताया कि हादसे में घायल हुये धर्मपुरी (मध्यप्रदेश) निवासी दुर्गा बाई, कुतरिया, शिप्रा, महेश, भगवान सिंह, रेखा बाई, मांगीलाल, अनिल कुमार, मंगलसिंह, माया बाई, मूलचंद और क्रूजर ड्राइवर संजय कुमार को घायलावस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया।

हादसे के बाद घायलों को परिजनों व लोगों ने संभाला।

जमीन विवाद में किसान पर हमला : श्रीगंगानगर जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर एक किसान से मारपीट का मामला सामने आया है। घायल किसान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार जसविंदर सिंह ने तीन महीने पहले बालकिशन पुत्र नंद राम से कृषि भूमि खरीदी थी। यह जमीन चक नंबर 10 एमएल श्रीगंगानगर खाता नंबर 115/69 मुरब्बा नंबर 17 का किल्ला नंबर 23,24,25 है। जसविंदर ने जमीन का कब्जा लेकर वहां चारा और मूंग की फसल लगाई थी। दीपक कुमार और अन्नू पिमरान बालकिशन व जयसिंह पुत्र राम चंद निवासी दानी रामवाला ट्रैक्टर और कार से आए। उनके साथ 12-13 अन्य लोग भी थे। जसविंदर सिंह खेत में पानी लगा रहा था। आरोपियों ने उसे नीचे गिराकर मारपीट की। घायल जसविंदर सिंह को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। जांच चूनावढ़ थाने के एएसआई महेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

अफीम तस्करी का खुलासा, दलाल और सप्लायर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अफीम तस्करी मामले में दलाल और सप्लायर को गिरफ्तार किया है। दलाल बिहार का तो वहीं सप्लायर नेपाल का रहने वाला है। सदर पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर श्रीगंगानगर ले आई है। दोनों से फिलहाल अफीम तस्करी के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सदर थानाधिकारी सुभाष ढील ने बताया कि पिछले दिनों नाकाबंदी के दौरान भागी एक क्रेटा कार को सादुलशहर पुलिस ने पीछा कर पकड़ा था। जिसमें से 4 किलो 976 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। गाड़ी सवार युवक हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला था, जो अफीम की खेप बिहार और नेपाल बॉर्डर से लेकर आया था। उस समय तस्करी कर रहे गिरफ्तार

- **दलाल बिहार का तो वहीं सप्लायर नेपाल का रहने वाला है, सदर पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर श्रीगंगानगर लाई**

आरोपी की पहचान विकास सहरावत (34) पुत्र प्रेम सहरावत निवासी सोनीपत (हरियाणा) के रूप में हुई थी। सदर थानाधिकारी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि विकास यह अफीम नेपाल के परसा जिले के लक्ष्मी रावत नाम के सप्लायर से लेकर आया था। उसका संपर्क बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के सरिसवा गांव निवासी शिवनाथ पाल के जरिए हुआ। शिवनाथ नेपाल बॉर्डर पर भारत के तस्करों को बुलाकर अफीम की डील कराता था।

श्रीगंगानगर पुलिस की एक टीम एसआई हंसराज के नेतृत्व में बिहार भेजी गई, जहां से दोनों दलाल शिवनाथ और सप्लायर लक्ष्मी रावत को दबोच लिया गया। तीनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। विकास सहरावत इससे पहले पंजाब में 4 किलो अफीम के साथ पकड़ा जा चुका है और तीन महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया था। वहीं शिवनाथ और लक्ष्मी इस साल मार्च से जून तक हरियाणा के यमुनानगर जेल में एनडीपीएस एक्ट में बंद थे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि नेपाल के ऊंचाई वाले इलाकों में अवैध अफीम की खेती होती है, जहां से यह माल भारत लाकर सप्लाई किया जाता है।

बाघिन आरवीटी-2508 का बूंदी शहर के पास मूवमेंट, लोगों में दहशत

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र की सूरज छतरी पर बीती रात बाघिन देखी गई थी

बूंदी, (निसं)। शहर के आसपास में बीते कुछ दिन से बाघिन आरवीटी-2508 के मूवमेंट बना हुआ है। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र की सूरज छतरी पर बीती रात बाघिन देखी गई थी। आज सुबह बाघिन पहाड़ी से उतरकर पुराने नेशनल हाइवे स्थित वन विभाग के कार्यालय के आसपास नजर आई। बाघिन ने कुछ समय तक वन विभाग प्रांगण में ही विचरण किया। बाघिन का शहर के नजदीक मूवमेंट होने से लोगों दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग की टीम अलर्ट मोड़ पर है। इसके बाद उसने अपना रुख पुन: पहाड़ी की ओर करते हुए वन विभाग के पीछे वाली पहाड़ी की और कदम बढ़ाए।

- **सुबह बाघिन पहाड़ी से उतरकर पुराने नेशनल हाइवे स्थित वन विभाग के कार्यालय के आसपास नजर आई**
- **'वन विभाग की टीम पूरी तरह बाघिन के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए हैं, अलग-अलग टीमें सुरक्षा में जुटी हुई है'**

बून्दी रेंजर सुमित ने बताया कि वन विभाग की टीम पूरी तरह बाघिन के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। दिन रात अलग अलग टीमें सुरक्षा में जुटी हुई है। आज बाघिन का मूवमेंट उनके स्वयं के विभाग में रहा। बाघिन ने वन विभाग में भ्रमण कर अपना रुख पुन: पहाड़ी की और कर लिया। सुमित कनोजिया स्वयं अपनी टीम के साथ चुंगी नाका के पास स्थित वन विभाग के ऑफिस के बाहर मौजूद रहे और पल-पल बाघिन के हर मूवमेंट की जानकारी ले रहे थे। जब बाघिन ने वापस पहाड़ी की और रूख किया तो वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। सुमित कनौजिया ने शहर वासियों से अपील की है कि वह रात्रि के समय ऐसे क्षेत्र में नहीं जायें जिधर बाघ या बाघिन का मूवमेंट हो। वन्यजीवों के साथ-साथ आमजन की हिफाजत करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

स्कूटी सवार पिता-पुत्री को ट्रक ने टक्कर मारी, पुत्री की मौत

अजमेर, (कासं)। गंज थाना क्षेत्र के वरुण सागर रोड पर गुरुवार एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ। अपने पिता के साथ स्कूटी पर जा रही युवती जो कि ट्रक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में ट्रक का पहिया पैर पर चढ़ जाने से उसका एक पैर कट कर शरीर से अलग हो गया, हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से युवती को परिवार के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गंज थाना पुलिस ने ट्रक को जब्त किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गंज थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वरुण सागर रोड निवासी संध्या अपने पिता गजानंद बालोटिया के साथ स्कूटी से गंज इलाके में जा रही थी। पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे पंजाब नंबर के ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक के पिछले पहियों के नीचे आकर युवती के दोनों पैर बुरी तरह कुचल गए। एक पैर शरीर से अलग हो गया, मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से संध्या को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां रो-रोकर उनका बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वरुण सागर रोड पर बड़े वाहनों की तेज रफ्तार से आए दिन हादसे हो रहे है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मार्ग पर ट्रैफिक नियंत्रण और सख्त निगरानी की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं घटित न हो।

- **हादसे में ट्रक का पहिया पैर पर चढ़ जाने से युवती का एक पैर कट कर शरीर से अलग हो गया**
- **हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने ट्रक को जब्त किया**

अनूपगढ़ के रावला में सफाई व्यवस्था बिगड़ी

अनूपगढ़, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र की रावला मंडी में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। बरसात के पानी की निकासी की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। रावला ग्राम पंचायत के प्रशासक दिनेश सोनी से लोगों ने इस समस्या के समाधान की मांग की है। रावला के वार्ड नंबर 16 और 17 में पिछले 4 सालों से सफाई व्यवस्था खराब है।

स्थानीय निवासी बाबूलाल, सुभाष गौड़ और मुकेश कुमार ने बताया कि कई बार प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया। बरसात में अधिकतर वार्डों में पानी जमा हो जाता है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। प्रशासक दिनेश सोनी ने बताया कि 16 जून 2025 को सरपंच पद मुक्त होने के बाद 4 जुलाई को उन्हें प्रशासक नियुक्त किया गया। उन्हें अभी तक वित्तीय स्वीकृति नहीं मिली है। वे अपने खर्चे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली का किराया देकर सफाई करवा रहे हैं।

वित्तीय स्वीकृति नहीं मिलने से पिछले दो महीनों से सफाई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। प्रशासक ने राजस्थान सरकार से वित्तीय स्वीकृति की मांग की है। इससे रावला में विकास कार्य और व्यवस्थाएं सुचारू की जा सकेंगी। रावला के व्यापारियों के द्वारा प्रशासक से मांग की गई कि रावला ग्राम पंचायत में 3 सार्वजनिक शौचालय बने हुए हैं मगर वे शौचालय अभी तक शुरू नहीं हुए हैं।

प्रशासक सोनी ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वर्तमान में इन शौचालय में कोई भी कर्मचारी नियुक्त नहीं है और ना ही वह सफाई व्यवस्था हो पा रही है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही यहां कर्मचारियों की नियुक्ति का इन शौचालयों को शुरू करवाया जाएगा।

रायसिंहनगर पंचायत समिति परिसर में 15 दिन से पाइप लाइन लीकेज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की रायसिंहनगर पंचायत समिति परिसर में पेयजल पाइपलाइन से पानी रिस रहा है। निर्माणाधीन सीआईडी कार्यालय के पीछे पिछले 15 दिनों से यह समस्या बनी हुई है। प्रतिदिन हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है।

स्थानीय कर्मचारियों और नागरिक संदीप कुमार के अनुसार, लीकेज की वजह से वहां गड्ढा बन गया है। इस गड्ढे से होकर पेयजल की सप्लाई हो रही है। इससे कार्यालय परिसर और आवासीय कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारियों को दूषित पानी मिल रहा है। कर्मचारियों ने जलदाय विभाग को कई बार शिकायत की है, लेकिन कोई कर्मचारी अब तक जांच के लिए नहीं पहुंचा। पानी के लगातार बहाव से परिसर में जलभराव हो गया है। इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। पास में बने एक भवन की नींव तक पानी पहुंच गया है।

- **रायसिंहनगर पंचायत समिति में दूषित पानी की सप्लाई, मच्छरों का प्रकोप बढ़ा**

कोटा-बून्दी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को लेकर बैठक हुई

कोटा, (निसं)। कोटा-बून्दी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को लेकर गुरुवार को संसद भवन स्थित स्पीकर ओम बिरला के कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने स्पीकर ओम बिरला को परियोजना की प्रगति की जानकारी दी। इस दौरान बैठक में एयरपोर्ट को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। लोकसभा अध्यक्ष ने ओम बिरला ने निर्माण कार्य सहित विभिन्न विषयों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अगले महीने सितम्बर में निर्माण प्रारम्भ करने, मौजूदा एयरपोर्ट के उपयोग और प्रस्तावित एयरपोर्ट की डिजाइन के सम्बन्ध में भी निर्णय किए गए।

बैठक में निर्णय हुआ कि मौजूदा एयरपोर्ट परिसर में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा एक विशेष ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित किया जाएगा। यह संस्थान पायलटों एवं एविएशन क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स के प्रशिक्षण के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे कोटा को एक नई पहचान मिलेगी। इसके साथ ही तय हुआ कि सितंबर 2025 से एयरपोर्ट का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। सितंबर 2027 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इसी वर्ष में पहली उड़ान शुरू हो जाएगी। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष के विशेषाधिकारी राजीव दत्ता, लोकसभा के ज्वाइंट सेक्रेटरी गौरव गोयल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पदमपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी से 13.31 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। आरोपी पंजाब के अमृतसर जिले का रहने वाला है। थानाधिकारी सुरेंद्र राणा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर बीबी नहर के पटड़े पर दबिश दी, जहां से आरोपी बलजिंद्र सिंह उर्फ निंदा को नशे की खेप के साथ पकड़ा है।

अनूपगढ़ : जिला अस्पताल में छह सौ मरीजों के लिए सिर्फ दो फार्मासिस्ट

अनूपगढ़, (निसं)। यहां सरकारी जिला अस्पताल में स्टाफ की कमी से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में रोजाना 600 से 650 मरीज ओपीडी में आते हैं, लेकिन यहां सिर्फ एक दवा वितरण केंद्र है। इस केंद्र पर मात्र दो फार्मासिस्ट तैनात हैं। इनमें फार्मासिस्ट ग्रेड-1 आदित्य सेठी और फार्मासिस्ट हिमानी बहल शामिल हैं। स्टाफ की कमी के कारण मरीजों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। इससे बुजुर्ग और महिला मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। स्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुसार, हर 100-120 मरीजों के लिए एक दवा वितरण केंद्र होना चाहिए। इस हिसाब से अस्पताल में कम से कम 5-6 केंद्र होने चाहिए।

- **मरीज के साथ कर्मचारी भी परेशान, फार्मासिस्ट के पदों की संख्या बढ़ाने की मांग**

साथ ही फार्मासिस्ट ग्रेड-1 के 2 और सामान्य फार्मासिस्ट के 4 अतिरिक्त पदों की जरूरत है। मुख्यमंत्री निशुल्क दवा वितरण योजना के तहत मरीजों को मुफ्त दवाएं मिल रही हैं, लेकिन स्टाफ की कमी से इस सुविधा का लाभ लेने में मरीजों को परेशानी हो रही है।

फार्मासिस्ट आदित्य सेठी ने बताया कि स्टाफ की कमी से न केवल मरीज परेशान हैं बल्कि मौजूदा कर्मचारियों पर भी काम का अतिरिक्त बोझ है। स्वास्थ्य विभाग के नियमानुसार 100-120 मरीजों की ओपीडी पर एक दवा वितरण केन्द्र का प्रावधान है। साथ ही प्रत्येक दवा वितरण केन्द्र पर एक फार्मासिस्ट, एक डेटा ऑपरेटर और एक दवा वितरण सहायक की नियुक्ति होनी चाहिए, लेकिन अस्पताल में नियमानुसार वितरण केन्द्रों का संचालन नहीं हो रहा है। इस वजह से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ एकीकृत के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार टाक ने बताया कि सरकारी चिकित्सालयों में संचालित निशुल्क दवा वितरण केन्द्रों पर फार्मासिस्टों की कमी की वजह से मरीजों की लम्बी कतार लग रही है। राज्य सरकार ने फार्मासिस्टों के 999 पदों को भी विलोपित भी किया है। इससे भी फार्मासिस्टों की संख्या कम हुई है। इस संबंध में राज्य सरकार से फार्मासिस्टों के पदों की संख्या बढ़ाकर नियुक्तियां करने की मांग की जा चुकी है। ताकि मरीजों के साथ साथ कार्यरत फार्मासिस्टों को राहत मिले।

सरकारी जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. मुरलीधर कुमावत ने बताया कि जिला अस्पताल में फार्मासिस्ट की कमी चल रही है। इसके लिए हाल ही सरकार ओपीडी के अनुसार फार्मासिस्ट की आवश्यकता से संबंधित रिपोर्ट मांगी है, जो हमने भिजवा दी है। उम्मीद है जल्द ही फार्मासिस्ट की कमी पूरी होगी।

हाईकोर्ट ने देवीसिंह मर्डर केस के तीनों आरोपियों को बरी किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की डबल बेंच ने पाली के फालना में देवीसिंह मर्डर केस में अहम फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों फालना निवासी हिम्मत सिंह, उसकी पत्नी पदम कंवर और बेटे यशपाल सिंह को बरी कर दिया है।

जस्टिस मनोज कुमार गर्ग और जस्टिस रवि चिरानिया की पीठ ने पुलिस जांच में गंभीर लापरवाही और सबूत जुटाने में नाकाम रहने का कथन किया है। इससे पहले कोर्ट ने 11 अगस्त की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे 20 अगस्त को सुनाया गया। देवीसिंह की मौत से पहले जोधपुर महात्मा गांधी अस्पताल में दिए गए आखिरी बयान पर न तो हस्ताक्षर थे और न ही अंगूठा निशान लिए गए थे। वहीं, डॉक्टर का स्पष्ट प्रमाण पत्र भी उपलब्ध नहीं था कि मृतक मानसिक और शारीरिक रूप से बयान देने योग्य था। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट की उपस्थिति भी नहीं थी। इतना ही नहीं, पुलिस पांच गवाहों को भी पक्षद्रोही होने से नहीं रोक पाई।

मामले की शुरुआत 24 अगस्त 2012 को हुई जब देवीसिंह को झुलसी अवस्था में महात्मा गांधी अस्पताल जोधपुर के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया। उसी दौरान पुलिस ने देवीसिंह के बयान लिए थे। देवी सिंह के अनुसार वह 18 अगस्त 2012 को बैंगलोर से यात्रा करके 20 अगस्त 2012 को अहमदाबाद पहुंचा, जहां से वह फालना गया था, क्योंकि उसकी पत्नी सुमन कंवर अपने छह महीने के बच्चे को छोड़कर भाग गई थी। देवीसिंह द्वारा बताया गया कि उसने अपने ससुर हिम्मत सिंह से संपर्क किया और उन्होंने कहा कि वह बच्चे को लेकर फालना आए। 20 अगस्त 2012 को शाम 5 बजे के करीब वह फालना पहुंचा और अपने ससुराल गया, जहां उसने चाय पी। जब वह जाने लगा तो उसकी सास पदम कंवर और साले यशपाल ने उसके हाथ पकड़ लिए और उसका ससुर उसके पीछे खड़ा था। उसी समय किसी ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पड़ोसियों ने उसे बचाया और अस्पताल लाकर भर्ती कराया।

मेडिकल एविडेंस के संबंध में पुलिस ने 80 प्रतिशत जलने के मामले में शॉक के कारण होने वाले भ्रम की संभावना को गंभीरता से नहीं लिया, जबकि डॉक्टर अनुज सिंह ने माना था कि इतने गंभीर जलने के मामले में मरीज को भ्रम हो सकता है। पुलिस ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज किया। इसके साथ ही डॉ. संजय बेदी ने पुष्टि की थी कि घटना के समय देवी सिंह नशे में था, लेकिन पुलिस ने इस महत्वपूर्ण साक्ष्य का उचित विश्लेषण नहीं किया।

पुलिस की सबसे बड़ी विफलता यह रही कि वो गवाहों को पक्षद्रोही होने से रोकने में असफल रही। पांच स्वतंत्र गवाह ओमप्रकाश, ओम पुरी, मदन सिंह, भोपाल सिंह और विक्रम सिंह पलट गए। गवाहों को धमकी या दबाव से बचाने के लिए कोई विशेष सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई। पुलिस गवाहों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने में भी असफल रही।

मृतक के पिता बाबूसिंह, चाचा जगदीश सिंह और मां काकू देवी के बयानों से भी पुलिस कोई स्पष्ट मकसद साबित नहीं कर सकी। पुलिस ने मृतक देवी सिंह और सुमन कंवर के प्रेम विवाह को मकसद बताया गया, लेकिन यह पर्याप्त साक्ष्य नहीं था। विडंबना यह भी थी कि सुमन कंवर ने खुद अपने पति के खिलाफ धारा 498-ए के तहत केस दर्ज कराया था। पाली के अतिरिक्त सेशन जज ने 19 मार्च 2016 को तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। पुलिस द्वारा पेश किए गए 23 गवाहों के बयानों के आधार पर धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और 2,000 रुपए जुर्माना तथा धारा 341 के तहत एक महीने का कारावास की सजा सुनाई गई थी जिसमें दोनों सजाएं एक साथ चलने का आदेश था।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे अपराध सिद्ध करने में असफल रहा है। कोर्ट ने मकसद के अभाव, पक्षद्रोही गवाहियों, मृतक की नशे की स्थिति और आरोपियों की जलने की चोटों के अस्पष्टीकृत होने पर चिंता जताई। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पुलिस कार्रवाई हिम्मत सिंह की रिपोर्ट पर शुरू हुई थी, न कि मृतक के बयान के आधार पर। हाईकोर्ट ने यशपाल सिंह को तुरंत जेल से रिहा करने का आदेश दिया है, जबकि हिम्मत सिंह व पदम कंवर के बेल बॉन्ड रद्द कर दिए हैं। इन तीनों को एक महीने के भीतर 50,000 रुपए का व्यक्तिगत बॉन्ड और समान राशि की जमानत देनी होगी जो छह महीने तक प्रभावी रहेगी।

- **जस्टिस मनोज कुमार गर्ग और जस्टिस रवि चिरानिया की पीठ ने पुलिस जांच में गंभीर लापरवाही और सबूत जुटाने में नाकाम रहने का कथन किया है**

किसान की 18 बीघा जमीन की नीलामी का विरोध

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर तहसील क्षेत्र के बींझबायला में किसान की 18 बीघा नहरी जमीन की ऑनलाइन नीलामी का विरोध शुरू हो गया है। पंजाब एंड सिंध बैंक शाखा बींझबायला के सामने किसान परिवार और अन्य किसान धरने पर बैठे हैं।

यह मामला 27 एमएल के किसान परिवार का है। किसानों का कहना है कि 8 जुलाई 2024 को प्रशासन की मौजूदगी में हुए समझौते को लागू नहीं किया गया। इसलिए उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। धरना स्थल पर प्रशासनिक अधिकारियों और किसान संगठनों के बीच बातचीत हुई। इसमें तहसीलदार जितेंद्र सिंह, उपतहसीलदार अंकित मिमाणी और पंजाब एंड सिंध बैंक के चीफ मैनेजर जी.डी. शर्मा शामिल थे। किसान नेताओं में कॉमरेड रविंद्र तरखान, सुखबीर फौजी, पवन नोखवाल और कैलाश पुनिया आदि मौजूद रहे।

शुभ दहिया ने जापान में कराटे चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया

जोधपुर, (कासं)। जापान स्थित कुमामोटो शहर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कराटे चैम्पियनशिप में मारवाड़ के शुभ दहिया ने सिल्वर मेडल हासिल कर भारत का मान बढ़ाया है।

पीपा क्षत्रिय समाज के होनहार छात्र शुभ दहिया का अन्तरराष्ट्रीय कराटे स्पर्धा के लिए जापान जाने वाली भारतीय टीम के 13 खिलाड़ियों में चयन हुआ था। 17 अगस्त को जापान के कुमामोटो शहर में आयोजित इस कराटे स्पर्धा में अलग-अलग देश के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस स्पर्धा में शुभ दहिया ने अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाते सिल्वर मेडल को भारत के नाम किया। ग्यारहवीं कक्षा के छात्र 16 वर्षीय शुभ दहिया जैसलमेर के मूल निवासी दिलीप दहिया के सुपुत्र है। दिलीप दहिया अपने परिवार के साथ नागपुर में रहते हैं तथा वर्षों से वही कार्यरत हैं। शुभ दहिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता दिलीप दहिया और माता सोनल दहिया और प्रशिक्षक कोच डी डब्ल्यू डब्ल्यू ए कराटे अकॅडमी के प्रमुख प्रशिक्षक सोन सोनल दहिया और प्रशिक्षक कोच डी डब्ल्यू डब्ल्यू ए कराटे अकॅडमी के प्रमुख प्रशिक्षक सोनल चौधरी कडबे, शोकाई अकॅडमी के प्रमुख प्रशिक्षक सेन्साई सूरज गोडे सर, रिक्यू शोरीन रियो कराटे डॉ ऑफ इंडिया के प्रमुख प्रशिक्षक शिहान विनोद शेलके सर को दिया है। इनके द्वारा शुभ को कराटे का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था।

शुभ दहिया ने सिल्वर मेडल हासिल कर भारत का मान बढ़ाया है।

भारत में बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारत उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। अकरम ने स्टिक विद क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है।

पूर्व पाक क्रिकेटर, एशिया कप में भारत-पाक मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वेंकटेश प्रसाद

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की छवि को बहाल करने की कसम खाई है, साथ ही आगामी चुनावों में चुने जाने पर कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ में बेहतर प्रशासन और पारदर्शिता के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है। प्रसाद ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को वापस लाना चाहते हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम एक ऐसा प्रतिष्ठित स्टेडियम है जो पिछले 50 सालों से कई ऐतिहासिक लम्हों का गवाह बना है। मैचों की मेजबानी की अनुमति लेने जैसी चीज पहले कभी नहीं हुई। यहां तक कि हमारे अपने महाराजा कप की भी मेजबानी छीन ली गई जो अच्छी बात नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने एशिया कप का पहला खिताब 1984 में जीता था। आखिरी बार टीम इंडिया ने 2023 एशिया कप का खिताब जीता था।

जयपुर फैलकंस ने जीता 'ईएपीएल द इवेंट मैनेजर्स एंड आर्टिस्ट प्रीमियर लीग' का पहला सीजन

जयपुर, 21 अगस्त। जयपुर में एक अनोखे क्रिकेट टूर्नामेंट 'ईएपीएल द इवेंट मैनेजर्स एंड आर्टिस्ट प्रीमियर लीग' सीजन 1 का आयोजन 18 से 20 अगस्त जयपुर के दिल्ली रोड, स्थित होटल अनंता स्पा एंड रिसोर्ट में किया गया। इस टेनिस बॉल टूर्नामेंट में 8 टीमें ने भाग लिया जिनमें 14 गेम्स के घमासान के बाद शिवा राठी व अमित सरीन की जयपुर फैलकंस विनर बनी और आशीष बाहेती की दिल्ली रीअपीयर रनरअप।आयोजक यश माहेश्वरी ने बताया कि फाइनल के मन ऑफ़ दी मैच, वरुण सूरी रहे जिन्होंने बल्लेबाज़ी में 17 गेंदों पर 3 छक्के और 1 बाउंड्री लगा कर अपनी टीम के लिए 26 रन बनाए। गौरतलब है कि इस आयोजन में राजस्थान के इवेंट प्लानर्स और आर्टिस्ट्स भाग लिया। ईएपीएल के विज़न की सराहना करते हुए खिलाड़ियों ने कहा कि इस पहल ने इवेंट इंडस्ट्री और कलाकारों को एक मंच पर लाकर, खेल और सामूहिकता को बढ़ावा दिया। ईएपीएल सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि जयपुर के इवेंट और कला क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए एक नई ऊर्जा और जुड़ाव का माध्यम रहा।

राजस्थान सब जूनियर बालिका फुटबॉल टीम नारायणपुर रवाना

जयपुर, 21 अगस्त। राजस्थान सब जूनियर बालिका फुटबॉल टीम आज दिनांक 21 अगस्त को नारायणपुर (छत्तीसगढ़) के लिये रवाना हुई इसे पूर्व किट वितरण का कार्यक्रम रखा गया जिसे राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत एवं राजस्थान फुटबॉल महिला विंग चेयरमैन रोशनी टाक, राजस्थान फुटबॉल संघ के सयुंक्त सचिव कृष्णअवतार शर्मा, लाइसेंस कोच इंदु शर्मा, नरेंद्र सिंह राठौड़,भवानी सिंह उपस्थित रहे। राजस्थान टीम का 25 अगस्त को गोवा से एवं 29 अगस्त को छत्तीसगढ़ से मैच है। राजस्थान टीम के खिलाडी इस प्रकार है। रिया चौधरी, दीपिका कँवर, पूजा कँवर, मनीषा, कृतिका, रुचिका, रितिका, तनीषा अदलाखा, गुड्डी गुर्जर, कुमकुम, अक्षिता मेहरा, ललिता गोदारा, पायल यादव (उपकप्तान), आसमान कँवर, अंकिता, अर्पणा (कप्तान), अनुराधा डूडी, राधिका स्वामी,भूमिका, भारती कुमावत है। टीम के मैनेजर सुमन बलाई, कोच रजनी, फिजियो डॉ. जया नागौरा है।

23वीं राजस्थान स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप जगतपुरा शूटिंग रेंज पर 26 अगस्त तक

जयपुर, 21 अगस्त। राजस्थान राईफल एसोसिएशन द्वारा 23वीं राजस्थान स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप, राईफल/पिस्टल / फायर आर्म्स, 2025 में 10 मीटर राईफल इवेन्ट, 25 मीटर पिस्टल इवेन्ट एवं 50 मीटर राईफल इवेन्ट की मेडल सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राजस्थान राईफल एसोसिएशन के आयोजनकर्ता यज्ञिमत्र सिंहदेव (अध्यक्ष) और शशांक कोरानी (सचिव), फैसल सैय्यदी (कोषाध्यक्ष) एवं दिलीप सिंह, (गवर्निंग बॉडी मेम्बर), ओम प्रकाश चौधरी (अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडी) एवं वीरेन भट्ट, (आईएसएसएफ ज्यूरी) उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश भर से हज़ारों की संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा युवा वर्ग, पुरूष वर्ग और महिला वर्ग को इवेन्टस् के आधार पर वर्गीकृत कर परिणाम घोषित किया गया। आयोजन में उपस्थित आयोजनकर्ता व अतिथियों द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को गोल्ड, सिल्वर एवं ब्राउन्ज मेडल पहनाकर उनकी हौसला अफजाई की गई और आने वाली प्रतियोगिताओं के लिये हार्दिक शुभकामनायें दी गई।

सरकार ने एशिया कप में भारत पाकिस्तान मैच को दी हरी झंडी

नई दिल्ली, 21 अगस्त। सरकार ने अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले पुरुष एशिया कप और अक्टूबर में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वालों मैचों की हरी झंडी दे दी है।

सरकार ने कहा है कि भारत द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए पाकिस्तान की मेजबानी या दौरा नहीं करेगा, लेकिन उसके एथलीट और टीमें उन बहु-राष्ट्रीय आयोजनों में हिस्सा ले सकते हैं जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है। इसी के साथ सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप और अक्टूबर में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप में उनके आगामी मुकाबलों का रास्ता साफ हो गया। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने एक बयान में ये दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें दोनों दक्षिण एशियाई देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के समय पाकिस्तान के साथ खेल संबंधों पर भारत सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट की गई है। इस बयान में यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय एथलीट पाकिस्तान द्वारा आयोजित बहुपक्षीय आयोजनों में हिस्सा ले सकते हैं।

यह बयान संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप के निर्धारित समय से तीन सप्ताह से भी कम समय पहले आया है। इस टूर्नामेंट में एक ही ग्रुप में शामिल भारत

और पाकिस्तान कम से कम एक बार (14 सितंबर को दुबई में) और संभवतः तीन बार आमने-सामने होंगे। अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच सीमा पार तनाव के बाद से यह भारत का पाकिस्तान के खिलाफ पहला क्रिकेट मैच होगा।

इस माहौल में, भारत से पाकिस्तान के साथ सभी खेल संपर्कों का बहिष्कार करने की मांग की जा रही है। जुलाई में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दौरान, जो सेवानिवृत्त खिलाड़ियों का एक टूर्नामेंट था में दोनों देशों की टीमों के बीच मैचों को रद्द कर दिया गया था, जिसमें भारत को पाकिस्तान के खिलाफ अपना सेमीफाइनल मैच छोड़ना पड़ा था।

भारत सरकार द्वारा अपना रुख स्पष्ट करने के साथ, भारतीय टीम को अब एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलने की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। इस टूर्नामेंट की मेजबानी मूल रूप से भारत को करनी थी, लेकिन जुलाई में इसे संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया। मंत्रालय के बयान में कहा गया है, जहां तक एक दूसरे के देश में द्विपक्षीय खेल आयोजनों का सवाल है, भारतीय टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगी। न ही हम पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति देंगे।

मंत्रालय ने कहा, भारत या विदेश में, अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय आयोजनों के संबंध में, हम अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं की कार्यप्रणाली और अपने खिलाड़ियों के हितों से निर्देशित होते हैं। अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक विश्वसनीय स्थल के रूप में भारत के उभरने को भी ध्यान में रखना है। भारतीय टीमें और व्यक्तिगत खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेंगे जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल होंगे। इसी प्रकार, पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित ऐसे बहुपक्षीय आयोजनों में भाग ले सकेंगे।

बयान के अनुसार, भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक पसंदीदा स्थान बनाने के लिए, खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों, तकनीकी कर्मियों और अंतरराष्ट्रीय खेल शासी निकायों के पदाधिकारियों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय खेल शासी निकायों के पदाधिकारियों को उनके आधिकारिक कार्यकाल की अवधि के लिए प्राथमिकता के आधार पर बहु-प्रवेश वीजा प्रदान किया जाएगा, जो अधिकतम पांच वर्षों की अवधि के अधीन होगा। इससे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार देश में और देश के भीतर उनकी सुगम आवाजाही सुनिश्चित होगी। स्थापित परंपरा के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय खेल शासी निकायों के प्रमुखों को भारत की यात्रा के दौरान उचित प्रोटोकॉल और शिष्टाचार प्रदान किया जाएगा। दोनों देश 2012 के बाद से किसी भी प्रारूप में द्विपक्षीय श्रृंखला में नहीं भिड़े हैं, लेकिन एकदिवसीय और टी-20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में वे कई बार आमने-सामने हुए हैं।

पाकिस्तान ने 2016 में टी20 विश्व कप और 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत का दौरा किया। भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं किया। उनके सेमीफाइनल और फाइनल सहित सभी मैच दुबई में खेले गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2024-27 चक्र में शेष सभी आईसीसी आयोजनों के लिए इस हाइब्रिड मॉडल पर सहमति व्यक्त की है।

गिल के उपकप्तान बनने से संजू सैमसन की जगह को खतरा

नई दिल्ली, 21 अगस्त। एशिया कप 2025 के लिए शुभमन गिल का बतौर उप-कप्तान टी20 टीम में वापसी करना संजू सैमसन की प्लेइंग- में जगह पर बड़ा खतरा साबित हो सकता है। अब जब गिल उप-कप्तान हैं तो जाहिर है प्लेइंग- में उनका स्थान करीब-करीब तय है, गिल के लिए यह तो अच्छा मौका है लेकिन इसका असर टी20 में भारतीय टीम के संयोजन पर भी पड़ेगा। गिल लाल गेंद में तो पहले नंबर-3 और अब नंबर-4 पर खेलते हैं लेकिन सफेद गेंद में वह एक ओपनर हैं। यानी वह अगर प्लेइंग- में आते हैं जिसकी संभावना प्रबल है तो फिर उनके लिए अभिषेक शर्मा या सैमसन में से किसी एक को अपना स्थान देना होगा। भारत के लिए पिछले 12 टी20 से लगातार अभिषेक और सैमसन की जोड़ी ही पारी का आगाज कर रही है।

अभिषेक और सैमसन की सलामी साझेदारी ने इस दौरान 22.25 की औसत से 267 रन बनाए हैं, जिसमें एक ही बार दोनों के बीच 50 की साझेदारी हुई और इस जोड़ी ने 9.82 की रन रेट से आक्रामक शुरुआत दिलाई है। इतना ही नहीं इन 12 मैचों में 10 बार भारत के सिर जीत का सेहरा बंधा है और इनमें से तीन बार सैमसन (2) और अभिषेक (1) में से कोई प्लेयर ऑफ द मैच रहा है। अभिषेक ने इस दौरान एक तो सैमसन ने तीन शतक भी जड़े हैं। अब ऐसे आंकड़ों के बावजूद इस सलामी जोड़ी को छेड़ना या तोड़ना हैरान जरूर कर सकता है। लेकिन भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की सोच कुछ अलग है, उन्होंने कहा, ''सैमसन पारी का आगाज तब कर रहे थे जब सीनियर खिलाड़ी नहीं खेल रहे थे।'' अगरकर का यह बयान इशारा कर रहा है कि गिल के आने के बाद सलामी जोड़ी में बदलाव लगभग तय है।

अब सवाल ये खड़ा होता है कि गिल अगर ओपन करेंगे तो उनके सलामी साझेदार सैमसन होंगे या अभिषेक। टीम मैनेजमेंट के हाल के फैसले और सोच को समझने की कोशिश की जाए तो इसका जवाब ज्यादा मुश्किल नहीं है। एक तो ये कि टीम मैनेजमेंट अब वैसे खिलाड़ियों को तरजीह देती है जो बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी का भी विकल्प दे सकें। अभिषेक इस श्रेणी में सटीक बैठते हैं क्योंकि वह एक उपयोगी बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज भी हैं। दूसरा उनका मौजूदा फॉर्म और बेजोड़ स्ट्राइक रेट विपक्षी टीम को हक्का बक्का कर देता है। अभिषेक ने भारत के लिए आखिरी टी20 में 54 गेंदों पर 135 रनों की आतिशी पारी खेली थी और फिर गेंदबाजी करते हुए 3 रन देकर 2 विकेट भी झटके थे। ऐसे में गिल के साथ उनका पारी का आगाज करना बेहद मुमकिन है।

बीसीसीआई ने बदला अगरकर का कॉन्ट्रेक्ट

नई दिल्ली, 21 अगस्त।एशिया कप 2025 के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। भारत के स्क्वॉड के ऐलान के दो दिन बाद अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बीसीसीआई ने बदल दिया है।अब अजीत अगरकर के बतौर चीफ सेलेक्टर के कॉन्ट्रैक्ट को जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इसको लेकर रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक, ये फैसा आईपीएल 2025 से पहले लिया जा चुका।

दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने अजीत अगरकर को रिटेन करने का फैसला कुछ महीने पहले किया। बीसीसीआई उनके आने के बाद भारतीय क्रिकेट में उपलब्धियों से बेहद खुश हुआ।

जून 2023 में अजीत अगरकर को ये बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसके बाद उन्होंने भारत को कई कामयाबी दिलाई। आईसीसी इवेंट में जीत के सूखे

को खत्म किया। भारत ने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता और 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। भारत ने 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी जगह बनाई।

अगरक के कार्यकाल को रणनीतिक नेतृत्व परिवर्तन द्वारा भी परिभाषित किया गया है। उनके अधीन चयनकर्ताओं ने टेस्ट कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी और सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम के कमान दी। टीम को विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के फैसले से भी गुजरना पड़ा। कोहली और रोहित अब केवल वनडे में खेल रहे हैं। अश्विन सभी फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं।

मौजूदा चयन समिति में अजीत अगरकर के साथ एमएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरथ शामिल हैं। हालांकि, सितंबर में होने वाली बीसीसीआई की वार्षित आम सभी की बैठक में पैनल में बदलाव होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, शरथ जिन्होंने जनवरी 2023 में जूनियर चयन समिति की अध्यक्षता की थी, उन्हें हटाए जाने की उम्मीद है क्योंकि वह चयन भूमिका में चार साल के करीब पहुंचते हैं जो कि बीसीसीआई मानदंडों के तहत अनुमत अधिकतम अवधी है।

श्रीलंका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम घोषित की

कोलंबो, 21 अगस्त। श्रीलंका ने चरिथ असालंका की अगुवाई में 29 अगस्त से जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरु होने वाली दो मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए घोषित 16 सदस्यीय टीम में वानिंदु हसरंगा को शामिल नहीं किया है। जिम्बाब्वे दौरे के लिए श्रीलंका की एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:- चरिथ असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, निशान मदुश्का, कुसल मेंडिस, सदीरा समराविक्रमा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, पवन रत्नायके, डुनिथ वेलालेज, मिलन रत्नायके, महीश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, असिथा फर्नांडो, दुष्मंथा चमीरा और दिलशान मदुशंका।

भारत ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

शिमकेंट (कजाकिस्तान), 21 अगस्त। भारत के रुद्रांक्ष पाटिल, अर्जुन बाबूता और किरण जाधव ने गुरुवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में 10 मीटर एयर राइफल पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। आज यहां आयोजित स्पर्धा में भारतीय तिकड़ी ने कुल मिलाकर 1892.5 अंक हासिल किए, जिसमें पाटिल 632.3 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे, जिससे वह क्वालीफाइंग राउंड में भी शीर्ष पर रहे और व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई। अर्जुन बाबूता ने 631.6 अंक हासिल करते हुए प्रिलिमिनरी स्टेज में चौथा स्थान हासिल किया और पदक राउंड में भी जगह बनाई। लेकिन 628.6 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रहे किरण आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। चीन ने 1889.2 अंकों के साथ टीम रजत पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया ने 1885.7 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। रुद्रांक्ष पाटिल और अर्जुन बाबूता भी उस भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने कुवैत में हुए पिछले संस्करण में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। श्री कार्तिक सबरी राज 2024 में टीम के तीसरे निशानेबाज थे। पुरुषों की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में, पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष चौथे स्थान पर रहकर पोडियम से चूक गए। जबकि अर्जुन बाबूता पांचवें स्थान पर रहे। कजाकिस्तान के निशानेबाज इस्लाम सतपायेव ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन के लू डिंगके और दक्षिण कोरिया के हाजुन पार्क ने व्यक्तिगत पोडियम स्थान हासिल किया। महाद्वीपीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में यह भारत का दूसरा सीनियर स्वर्ण पदक था, इससे पहले बुधवार को अनंतजीत सिंह नरुका ने पुरुष स्कीट का खिताब जीता था। भारत के सीनियर निशानेबाजों ने शिमकेंट में एक रजत और चार कांस्य पदक भी जीते हैं, जिससे कुल पदकों की संख्या सात हो गई है।

महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप में टीम जाजू पोलो ने टीम तोपची को हराया

जयपुर, 21 अगस्त। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में आज एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जहाँ प्रतिष्ठित महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप के तीसरे मैच में टीम जाजू पोलो और टीम तोपची (आर्टिलरी - भारतीय सेना) के बीच मुकाबला हुआ। हल्की बारिश के बावजूद, मैच समय पर शुरू हुआ और मौसम ने पहले से ही रोमांचक मुकाबले में रोमांच का तड़का लगा दिया। पहले चक्कर से ही मैदान पर जोश और ऊर्जा का संचार हो गया। टीम जाजू के ध्रुवपाल और टीम तोपची के कैप्टन प्रिंसपाल के बीच एक ज़बरदस्त और रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें दोनों ने अपनी सामरिक प्रतिभा और अदम्य एथलेटिक क्षमता का प्रदर्शन किया। टीम के संरक्षक सूरज जाजू ने अपनी टीम के प्रदर्शन में संयम और सटीकता का परिचय दिया, जिससे पूरे मैच में टीम की गति बनी रही। अपने अनुशासन और तालमेल के लिए जानी जाने वाली टीम तोपची में मेजर किरण और एनके इरफान ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनके समन्वय और प्रतिबद्धता ने पूरे मैच में टीम की गति पर दबाव बनाए रखा। अंतिम स्कोर 10 - 8 टीम जाजू पोलो के पक्ष में रहा।

इंग्लैंड की विश्वकप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित, हीथर नाइट शामिल

लंदन, 21 अगस्त। इंग्लैंड ने अगले महीने शुरू होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए नेट शिवर-ब्रंट की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम में हीथर नाइट को शामिल किया है। मई में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद से ही नाइट ने क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि वह विश्वकप के लिए फिट होने के लिए अच्छी तरह से रिकवरी कर रही हैं। इसके अलावा करीब सात महीने से समय से टीम से बाहर चल रही डैनी वायट-हॉज की भी विश्वकप टीम में वापसी हुई है जिससे इंग्लैंड की बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी। वायट-हॉज ने अंतिम बार एकदिवसीय प्रारूप में जनवरी में ऐशेज के दौरान खेला था। लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर और एम आरलट पर तेजी गेंदबाजी का दरमदार होगा। नेट शिवर-ब्रंट के भी ऑलराउंडर की भूमिका अदा करने की पूरी उम्मीद है। एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड की महिला टीम इस प्रकार है :- एम आरलट, टैमी बोमॉन्ट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकली, सोफी एक्लस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोंस, हीथर नाइट, एमा लैंब, नेट शिवर-ब्रंट (कप्तान), लिंसी स्मिथ और डैनी वायट-हॉज।

हॉकी इंडिया ने महिला एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, 21 अगस्त। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को सलीमा टेटे की अगुवाई में आगामी महिला एशिया कप 2025 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। चीन के हांग्जो में पांच से 14 सितंबर तक होने वाला इस टूर्नामेंट की विजेता टीम 2026 के एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लेगी।

भारत को पूल बी में रखा गया है, जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत पांच सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी, उसके बाद छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी। भारत अपना अंतिम पूल-स्टेज मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा।

सलीमा टेटे की अगुवाई वाली इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है, जिसमें गोलकीपर बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम पोस्ट के नीचे गहराई प्रदान करेंगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी, जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थौदम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, कप्तान सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनीता टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसे मजबूत नाम हैं, जो रचनात्मकता और स्थिरता दोनों सुनिश्चित करते हैं। फॉरवर्ड लाइन में अनुभवी और उभरते सितारे नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज़ खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल का मिश्रण शामिल है।

आज यहां इस अवसर पर भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने टीम के बारे में बात करते हुए कहा, हांग्जो में होने वाले महिला एशिया कप के लिए चुनी गई टीम को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने का प्रयास किया है। हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर रहेगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा, महिला एशिया कप न केवल एक प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैंपियनशिप है, बल्कि 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए एक सीधा क्वालीफाइंग प्रतियोगिता भी है। विजेता टीम स्वतः ही हॉकी विश्वकप के लिए क्वालीफाइ कर जायेगी। हर मैच हमारे धैर्य, फिटनेस और रणनीतिक निष्पादन की परीक्षा लेगा। खिलाड़ी इस अवसर पर खरा उतरने के लिए प्रेरित हैं और हमें पूरा विश्वास है कि वे ऐसा प्रदर्शन करेंगी जिससे भारत को गौरवान्वित महसूस होगा।

युवराज संधू ने 61 का असाधारण कार्ड खेला

होसुर (तमिलनाडु), 21 अगस्त। चंडीगढ़ के युवराज संधू ने 10-अंडर 61 का असाधारण स्कोर बनाया, जो पिछले दो सालों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने तमिलनाडु के होसुर के पास क्लोवर ग्रीन्स गोल्फ कोर्स एंड रिज़ॉर्ट में खेली जा रही 1 करोड़ रुपये की पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप 2025 के तीसरे राउंड के बाद अपनी बढ़त को तीन शॉट तक पहुंचाया।

भारतीय हॉकी टीम मैत्री सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हारी

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया), 21 अगस्त। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 15 से 21 अगस्त तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई चार मैचों की मैत्री सीरीज में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा है। आज यहां पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले गए सीरीज के अंतिम और चौथे मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से मेजबान टीम ने यह सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को खेले गए पहले मैच में मेजबान टीम से 1-4 से हार के साथ की और अगले दिन दूसरे मैच में भारतीय टीम को 0-3 से हार मिली। हालांकि, भारतीय हॉकी टीम ने तीसरे मैच में वापसी की और ऑस्ट्रेलिया पर 3-2 से जीत हासिल करके अपनी हार का सिलसिला तोड़ दिया। भारतीय टीम 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाली आगामी एशिया कप 2025 की तैयारियों के रूप में ऑस्ट्रेलिया के साथ मैत्री सीरीज खेल रही थी।

राज्य स्तरीय सीनियर महिला 20 क्रिकेट प्रतियोगिता का एसएमएस स्टेडियम पर फाइनल आज

जयपुर, 21 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, सीनियर रणजी ट्रॉफी व अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी, राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता व राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :-

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 ट्रॉफी

बारिश के कारण राज्य स्तरीय सीनियर महिला 20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आज सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेला जा रहा फाइनल मैच कल दिनांक 22 अगस्त को प्रातः 10 बजे सवाई मान सिंह स्टेडियम ग्राउंड पर खेला जायेगा। आज प्रतियोगिता के फाइनल मैच से पूर्व आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत व सदस्य आशीष तिवाडी ने जयपुर - सीकर टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की व मैच का टॉस कराया। टॉस जीतकर जयपुर ने सीकर को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सीकर पारी 0/0 (0.4 ओवर)

राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी (दूसरे दिन का स्कोर)

टीम एफ पारी 287 आल आउट, टीम एच पारी 123 /1, टीम के लिए शिवा चौहान नाबाद 51 व आदर्श शर्मा नाबाद 36 रन। टीम जी पारी 563 आल आउट, टीम के लिए तोषित भाटिया 173 रन, आदित्य वधवा 41 रन। टीम ई के गेंदबाज हार्दिक मेवाड़ा 79 /5, टीम ई पारी -26 /1, टीम के लिए जयंत ताम्बी नाबाद 16 रन। टीम बी पारी 477 आल आउट, टीम डी के गेंदबाज रामेश्वर गायरी136 /5, टीम डी पारी 31 /2, टीम बी के गेंदबाज दीपक गौर 25 /2, टीम ऐ पारी 179 आल आउट, टीम सी पारी 226 आल आउट, टीम के लिए महेश 61, युवराज 56 रन, टीम ऐ के गेंदबाज

संदीप 64/5, चिराग 66/4 विकेट, टीम ऐ दूसरी पारी 79/3, अजय राज 27, दीपक कड़वासरा नाबाद 24 रन, टीम सी के गेंदबाज 21/2 विकेट।

राज्य स्तरीय अंडर 19 ट्रॉफी (जयपुर में खेले गए मैच)

डूंगरपुर - हनुमानगढ़ (हनुमानगढ़ 10 विकेट से जीती), डूंगरपुर पारी- 76 आल आउट, टीम दक्ष जैन 15 रन। हनुमानगढ़ के गेंदबाज विश्वास 24 /4 व प्रिंस, रीतिन प्रत्येक 2 -2 विकेट। हनुमानगढ़ पारी 78/0, टीम के लिए आदित्य नाबद37 व वंश नाबाद 21 रन।

सीकर - बाड़मेर (सीकर 47 रन से जीती), सीकर पारी 227/9, हितेश 71 व हेमंत 32 रन बाड़मेर के गेंदबाज हरी राम 35 /4, जगदीश 46 /2 विकेट। बाड़मेर पारी 180 आल आउट टीम के लिए दिनेश 44, वरदान शर्मा 33 हरी राम 31 रन, सीकर के गेंदबाज निवास 35 /4, भव्य व देवन्द्र 2 -2 विकेट।

भीलवाड़ा - करौली (बारिश के कारण स्थगित), भीलवाड़ा 287/8, टीम के लिए जयवर्धन 82, रघुवीर 57 व गोविनद 43 रन, करौली के गेंदबाज नितिन 36/3 व विकास 62/2, करौली पारी 33/0।

सवाई माधोपुर - बांसवाड़ा (बारिश के कारण स्थगित), सवाई माधोपुर पारी 271/8, टीम के लिए तनिष्क 84, रक्षित 80 व कृष्णा 33 रन, बांसवाड़ के गेंदबाज नयन 47/4 व मोहित 33/2, बांसवाड़ा पारी 14 /0

जालोर - अजमेर (बारिश के कारण स्थगित), जालोर पारी 203/8, टीम के लिए आर्यमनशर्मा 45 व मनीष 44 रन, अजमेर के गेंदबाज भव्य शर्मा 41/3 व वीरेंदर30/2 विकेट।

झालावाड़ - कोटा (बारिश के कारण स्थगित), झालावाड़ पारी 164 आल आउट, टीम के लिए नावेद 37, अरबाज 35 व सुनील गुर्जर 25 रन, कोटा के गेंदबाज एकांश शर्मा 20 /3, युवराज 22 /2 व आशीष 36/2 विकेट, कोटा पारी 49/2 विकेट।

बीकानेर - झुंझनू (बारिश के कारण स्थगित), बीकानेर पारी 35 /0 विकेट।

श्रीगंगानगर - बूंदी (बारिश के कारण स्थगित), श्रीगंगानगर पारी 264/7, टीम के लिए ओसनिक ग्रोवर 87 ,आदित्य 74 व करण 28 रन, बूंदी के गेंदबाज अनुराग, प्रियांशु, रोहित 2 -2 विकेट। बूंदी पारी 4 /1 विकेट।अन्य मैच जयपुर - दौसा, नागौर - चूरू, प्रतापगढ़ - धौलपुर, उदयपुर - भरतपुर, चित्तोड़- सिरोही, अलवर -राजसमंद मैच बारिश के कारण शुरू नहीं हो सके।

मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा की 5 हजार मेगावाट क्षमता का अतिरिक्त आवंटन मांगा

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री ने सौर ऊर्जा में राज्य के सराहनीय प्रदर्शन पर हर संभव सहायता का आश्वासन दिया

जयपुर, 21 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से मंगलवार को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण एवं प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ ावा देने के लिए पी. एम. कुसुम योजना 2.0 के तहत 5 हजार मेगावाट क्षमता का अतिरिक्त आवंटन स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

शर्मा ने जोशी को अवगत कराया कि प्रदेश में इस योजना के घटक-ए में अब तक 457 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं तथा 3200 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित करने के लिए कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं।

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि विगत डेढ़ वर्ष में किए गए राज्य सरकार के प्रयासों से राजस्थान, पी. एम. कुसुम योजना के घटक-ए के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी बना है। साथ ही, घटक-सी में विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम हुआ है, जो बेहद सराहनीय है। जोशी ने कुसुम 2.0 के तहत प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ ावा देने में केन्द्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने ऊर्जा मंत्री को बताया कि पी.एम. कुसुम योजना के घटक-ए में अब तक 457 मेगावाट के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं व 3200 मेगावाट के कार्यादेश जारी हो चुके हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड प्लस सुरक्षा मिली

नयी दिल्ली 21 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गयी है।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर की गयी समीक्षा के दौरान यह निर्णय लिया। प्रोटोकॉल के तहत दो महिला निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) हर समय मुख्यमंत्री के साथ रहेंगी, जिनके साथ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात रहेंगे।

गुप्ता पर बुधवार को जन सुनवाई के दौरान हमला करने वाले आरोपी खिमजीभाई को कल रात राजधानी की स्थानीय तीस हज़ारी अदालत ने पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस की इस दलील के बाद, कि पूरी साज़िश का पर्दाफ़ाश करना ज़रूरी है, अदालत ने आरोपी से पूछताछ के लिए हिरासत की अनुमति दी। सूत्रों के अनुसार, जांच से पता चला है कि मुख्यमंत्री पर हमला पूर्वनियोजित था।

मुख्यमंत्री पर दस्तावेज़ों से हमला करने की शुरुआती रिपोर्टों के विपरीत, पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया कि हमला कहीं ज़्यादा गंभीर था।

फ्रांस के राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुष्टि की। राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र संपन्न करने के लिए भी समर्थन व्यक्त किया।

जयशंकर ने मॉस्को में रूस को भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एकीकरण को और मजबूत करेंगी, जिसमें भारत भी शामिल होगा।

चीन के लिए यह स्थिति अवसर और चुनौती दोनों है। एक ओर भारत का रूस पर अधिक निर्भर होना, अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति को कमजोर करेगा, जो चीन को रोकने के लिए बनाई गई थी। दूसरी ओर, भारत चीन का प्रतिद्वंदी भी है और वह चीन को बिना शर्त अपनाने को तैयार नहीं होगा। फिर भी, अमेरिका की नीतियों से चीन को भारत पर दबाव बनाने का ज्यादा मौका मिल रहा है।

अमेरिका के लिए यह शुल्क युद्ध एक चेतावनी है। भारत को दंडित करने की कोशिश में वह अपनी 20 साल पुरानी साझेदारी को ही नुकसान पहुँचा रहा है। क्वाड, इंडो-पैसिफिक सहयोग और रक्षा तालमेल, ये सब भरोसे पर टिके हैं। अगर भारत को महसूस होगा कि वो घिर गया है, तो वह संतुलन के लिए रूस और अप्रत्यक्ष रूप से चीन पर झुकेगा।

जयशंकर का मॉस्को संदेश सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का था। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत-रूस का व्यापार सीमित है और विविधता लाने की ज़रूरत है। असल बात यह है कि भारत किसी एक साथी पर ज्यादा निर्भर नहीं रह सकता, खासकर उस पर जो शुल्क लगाकर आपसी संबंधों को हथियार बना दे। भारत को सज़ा देने की कोशिश में अमेरिका ने वही प्रक्रिया तेज़ कर दी है जिसका उसे सबसे ज्यादा डर है, यूरेशियाई ताकतों का संगठित होना और अमेरिकी प्रभाव का कमजोर होना। भारत, रूस और चीन असहज साझेदार भले ही हों, लेकिन, अमेरिका की गलतियों ने उन्हें साझा ज़मीन दे दी है। यही नया वैश्विक समीकरण तय करने वाला मोड़ हो सकता है।

ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरीका माना गया। रूस के खाद्य मंत्रालय ने ज़ेलेंस्की का नाम तक नहीं लिया और यूक्रेन सरकार को "नाज़ी शासन" बताया। उनका कहना है कि यूक्रेन में नए चुनाव कराए बिना कोई बातचीत नहीं होगी। इसे शांति प्रक्रिया से भागने का बहाना माना जा रहा है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यह भी कहा कि यूरोपीय नेता ज़मीन अदला-बदली समझौते की स्थिति में यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर विचार कर रहे हैं। रूस पहले ही यूक्रेन के पाँचवे हिस्से पर कब्जा कर चुका है और और भी बड़े क्षेत्रों की मांग कर रहा है।

ऐसा लगता है कि शांति प्रक्रिया वहीं की वहीं है जहाँ शिखर वार्ता शुरू हुई थी और अब टकराव और बढ़ सकता है। संभावना है कि पश्चिमी देश, जिन्हें "कोअलिशन ऑफ द विलिंग" कहा जाता है, यूक्रेन को और हथियार दे सकते हैं, खासतौर से लंबी दूरी के हमलावर हथियार। पहले ही यूक्रेन ने ड्रोन तकनीक से रूस की रक्षा व्यवस्था को काफी नुकसान पहुँचाया है। हाल ही में उसने रूस की प्रमुख तेल कंपनी की सुविधाओं पर हमले किए, जिससे कई पश्चिमी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई। यूक्रेनी ड्रोन रूस के अंदर तक पहुँच गए और कई महत्वपूर्ण रूसी रक्षा ठिकानों को निष्क्रिय कर दिया। खास बात यह है कि ये ड्रोन छोटे-छोटे यूक्रेनी उद्यमों ने खुद बनाए, बिना किसी बाहरी मदद के।

अमेरिका का रुख पूरी तरह बदल गया है, क्योंकि रूस ने ट्रंप के सारे शांति प्रस्तावों को खारिज कर दिया। इससे पुतिन को शानदार आतिथ्य देने के बावजूद, ट्रम्प को कोई सफलता नहीं मिली। अब लगता है कि पुतिन खुद अपने ही जाल में फंस गए हैं। उन्होंने यूक्रेन में सीधी जीत पर अपनी साख दांव पर लगा दी है। लेकिन पश्चिमी देशों के एकजुट होने से उनकी जीत की संभावना और कम हो गई है।

सुदर्शन रेड्डी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यालय में नामांकन करने के लिए पहुंचे। मोदी इस चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी हैं। रेड्डी ने चार सेटों में नामांकन पत्र दायर किया। प्रत्येक सेट पर उनके समर्थन में 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों ने हस्ताक्षर किये हैं। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, गठबंधन के वरिष्ठ नेता शरद पवार, रामगोपाल यादव और कई अनेक नेता भी मौजूद थे। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन का आज अंतिम दिन है। चुनाव में रेड्डी का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन से है।

एसआई पेपर लीक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में आरोपित महिला राधिका सिंह (31), निवासी मोती विहार पांच्यावाला करणी विहार को गिरफ्तार किया है, जो जयपुर ग्रामीण की स्पेशल ब्रांच में महिला कांस्टेबल के पद पर तैनात है। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक के संबंध में साल-2024 में एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि एसआई भर्ती परीक्षा से पहले राधिका सिंह ने अपनी बहन रेणु कुमारी के साथ मिलकर पुरुषोत्तम दाधीच से 14 लाख रुपए में पेपर का सौदा किया और फिर परीक्षा से पहले लीक पेपर के प्रश्नोत्तर पढ़ कर लिखित परीक्षा दी। महिला कांस्टेबल राधिका सिंह ने लिखित परीक्षा में हिन्दी विषय में 153.76 और सामान्य ज्ञान में 163.48 अंक कुल- 317.24 अंक प्राप्त किए लेकिन, इंटरव्यू में निर्धारित अंक प्राप्त नहीं होने से अंतिम रूप में एसआई पद के लिए चयन नहीं हो पाया। पुरुषोत्तम दाधीच के साथ मिलकर राधिका ने अपने परिचित प्रवीण कुमार खराड़ी, निवासी डूंगरपुर को भी लीक पेपर पढ़ वाया था। जिसका एसआई के पद पर चयन हुआ। एसओजी की ओर से मामले में आरोपी पुरुषोत्तम दाधीच और महिला कांस्टेबल की बहन रेणु कुमार को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। एसओजी की ओर से मामले में अब तक 54 ट्रेनी एसआई सहित कुल 122 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके है।

'संविधान निर्माता जानते थे कुछ कार्यों में टाइम लाइन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के समाधान हैं। उन्होंने कहा थोड़ा अप्रिय तर्क देते हुए कहूंगा, हर समस्या का हल सुप्रीम कोर्ट में नहीं हो सकता। देश की कई समस्याओं का हल सिस्टम में ही होता है। इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने पूछा, अगर राज्यपाल की निष्क्रियता को लेकर कोई राज्य सुप्रीम कोर्ट आता है, तो क्या न्यायिक समीक्षा पूरी तरह निषिद्ध है?

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि वह राज्यपाल की कार्रवाई की न्यायिक समीक्षा पर नहीं, बल्कि यह मुद्दा उठा रहे हैं कि क्या कोर्ट राज्यपाल को कोई कार्य समय सीमा में करने का निर्देश दे सकती है।

सी जे आई गवई ने कहा, अगर कोई संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण के अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करता, तो क्या इस अदालत के हाथ बंधे हैं, तो एस जी ने उत्तर दिया हर समस्या का हल इस मंच पर नहीं हो सकता।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अगर व्याख्या करने की शक्ति सुप्रीम कोर्ट के पास है, तो फिर कानून की व्याख्या अदालत को ही करनी होगी।

एस जी ने कहा, न्यायिक समीक्षा एक बात है, लेकिन संविधान में शब्द जोड़कर उसकी व्याख्या करना अलग बात है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने कहा, आप कहते हैं कि हम समयसीमा तय नहीं कर सकते, लेकिन कोई प्रक्रिया तो होनी चाहिए जिससे काम आगे बढ़ सके।

तुषार मेहता ने कहा, "माई लॉर्ड्स जिस बात से सही रूप में पीड़ित हैं, वह है समय-सीमा तय करने का औचित्य, लेकिन यह औचित्य न्यायालय को ऐसा करने का अधिकार (अधिकार क्षेत्र) नहीं देता। हमारे पास ऐसे मामलों की बाढ़ नहीं है। हाँ, कुछेक राज्यों ने ऐसे मुद्दे उठाए हैं। अगर यही समस्या है, तो यह सही हो सकती है, लेकिन उसका समाधान संसद के पास है।

माई लॉर्ड्स ने भी कहा है कि इस पर संसद से अनुरोध किया जा सकता है, इसके मद्देनजर हम संसद से प्रार्थना करते हैं, लेकिन योअर लॉर्डशिप कोई आदेश नहीं देते, जज कभी भी किसी समकक्ष संवैधानिक पदाधिकारी को आदेश नहीं देते। यही है संवैधानिक शिष्टाचार।"

सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को बताया कि संविधान में कम से कम 31 स्थानों पर स्पष्ट रूप से समय-सीमा का उल्लेख किया गया है, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने महसूस किया कि उन कार्यों को समयबद्ध किया जाना आवश्यक है। जहाँ समय-सीमा नहीं दी गई है, उसे एक सोच-समझकर किए गए एक्शन के रूप में देखा जाना चाहिए।

मेहता ने यह भी तर्क दिया कि अनुच्छेद 200 और 201 में समयसीमा का कोई उल्लेख नहीं है, इसलिए न्यायालय वहाँ समयसीमा नहीं जोड़ सकता।

एस जी ने यह भी कहा कि "तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में यह कहना कि राज्यपाल को अनुच्छेद 200 के तहत कोई विवेक नहीं है, शमशेर सिंह और नबम रेबिया जैसे केस में बड़ी बैंच के फैसलों के विपरीत है। बी के पवित्र में जो कहा गया कि राज्यपाल के पास राष्ट्रपति को बिल भेजने का विवेक है, उसे भी गलत ढंग से घोषित किया गया।

उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम नम्बुदरी केस में पांच-न्यायाधीशों की बैंच के निर्णय, जिसमें राज्यपाल को किसी विधेयक पर निर्णय देने का आदेश देने से इंकार किया गया था, को भी नज़रअंदाज़ किया गया।

सॉलिसिटर जनरल ने सवाल उठाया, क्या संसद कल यह कानून पारित कर सकती है कि सुप्रीम कोर्ट 600 पन्नों से ज्यादा का फैसला नहीं लिखेगा? या फिर संसद ऐसा कानून बना दे कि अगर मुकदमा तय समय में पूरा नहीं हुआ, तो आरोपी को बरी मान लिया जाएगा?

सतीश गोलचा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को एस बी के सिंह के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गयी है। होम गार्ड के महानिदेशक सिंह को इसी महीने एक तारीख को दिल्ली पुलिस के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। गोलचा 1992 बैच के पुलिस अधिकारी हैं और अभी महानिदेशक (जेल) के पद पर कार्यरत हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908